RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 210
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, गुरुवार, 23 नवम्बर, 2023

द अचीवर टाइम्स

एक नज़र

हलाल प्रमाणन सामग्री की तलाश में कॉस्मेटिक एवं दवा स्टोर पर छापा

लखनऊ। हलाल प्रमाणन पर पाबंदी के बाद खाद्य पदार्थों के साथ ही कॉस्मेटिक सामग्री एवं दवा की दुकानों पर भी जांच शुरू हो गई है। बुधवार को एफएसडीए की टीम ने लखनऊ सहित विभिन्न जिलों में पड़ताल की। इस दौरान कई स्थानों पर सामग्री के सैंपल भी भरे गए। हलाल प्रमाणन पर पाबंदी के बाद खाद्य पदार्थों के साथ ही कॉस्मेटिक सामग्री एवं दवा की दुकानों पर भी जांच शुरू हो गई है। बुधवार को एफएसडीए की टीम ने लखनऊ सहित विभिन्न जिलों में पड़ताल की। इस दौरान कई स्थानों पर सामग्री के सैंपल भी भरे गए। हालांकि अभी तक दवा एवं कॉस्मेटिक में हलाल प्रमाणन वाले पैकेट नहीं मिले हैं। लखनऊ में सहायक आयुक्त (औषधि) बृजेश कुमार के नेतृत्व में औषधि निरीक्षक संदेश मौर्या व सौरभ दुबे ने लूलू हाइपर मार्ट स्थित कॉस्मेटिक स्टोर की जांच की। लिपस्टिक, नेल पालिश, क्रीम, परफ्यूम फाउंडेशन आदि की जांच में हलाल संबंधित मार्क नहीं पाए गए। इस दौरान दो कॉस्मेटिक के विक्रय संबंधी विवरण मांगा गया है। रायबरेली में कैंपरगंज, सब्जी मंडी, बेलीगंज तथा गोराबाजार रोड स्थित दुकानों पर जांच की गई। हलाल प्रमाणित उत्पाद नहीं पाया गया। सभी व्यापारियों को चेतावनी दी गई कि हलाल प्रमाणित उत्पाद पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सत्यनगर स्थित सिंध मेडिकल एजेंसी में दो कॉस्मेटिक व एक एंटीबायोटिक्स का नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया है। इसी तरह लखीमपुर खीरी में अलग- अलग दुकानों से करीब दो हजार रुपये की कांफेशनरी , हर्बल टी, सहित अन्य सामग्री खराब पाए जाने पर उसे नष्ट कराया गया। सौंदर्य प्रसाधनों की जांच की जाए। हरदोई, उन्नाव, सीतापुर, सहित विभिन्न जिलों में कॉस्मेटिक एवं दवा की दुकानों की जांच की गई। किसी भी स्थान पर हलाल प्रमाणन वाली दवा व सामग्री नहीं मिली है। इतना जरूर है कि अलग- अलग दवाओं के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। सभी दुकानदारों को हलाल प्रमाणन के संबंध में जारी अधिसूचना से भी वाकिफ कराया गया।

उत्तरकाशी टनल हादसा, चल रहा 11 दिनों से बचाव कार्य

39 मीटर तक हो चुकी ड्रिलिंग, 18-21 मीटर और बाकी

एजेंसी

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में दिवाली के दिन अचानक भूस्खलन हो गया और वहां काम कर रहे 41 मजदूर अंदर ही फंस गए। मलबा इतना ज्यादा था कि श्रमिकों को निकालने के लिए बीते 11 दिन से बचाव अभियान चलाया जा रहा है। टीमें दिन रात सुरंग में बचाव अभियान चला रही हैं। वहीं, सुरंग में ऑगर मशीन से 39 मीटर तक ड्रिलिंग हो चुकी है। कुल 57 से 60 मीटर तक ड्रिलिंग होनी है। अधिकारियों का कहना है कि सब कुछ ठीक रहा तो आज रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म होने की उम्मीद है। सबसे पहले सुरंग में फंसे मजदूरों की संख्या 36 बताई गई थी। फिर इनकी संख्या 40 बताई गई। इसके एक सप्ताह बाद कंपनी ने 41 लोगों के फंसने की बात कही।

बचाव अभियान में भारतीय सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, बीआरओ, एनएचआईडीसीएल, उत्तराखंड पुलिस, एसजेवीएनएल, आरवीएनएल, लार्सन एंड टूब्रो, टीएचडीसी, आपदा प्रबंधन विभाग, जिला प्रशासन, ओएनजीसी, आईटीबीपी, राज्य लोनिवि, डीआरडीओ, परिवहन मंत्रालय, होमगार्ड्स जुटे हैं।

बचाव अभियान में छह प्लान पर काम किया जा रहा है। सुरंग के मुहाने से ऑगर मशीन से ड्रिलिंग, बड़कोट छोर से ड्रिलिंग, सुरंग के ऊपर और दाएं व बाएं तरफ से ड्रिलिंग, सुरंग के ऊपर से ड्रिलिंग की योजना तैयार की गई।

विशेषज्ञों की टीम ने अत्याधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल किया। डीआरडीओ के 70 किलो के दो रोबोट यहां पहुंचे थे, लेकिन रेतीली मिट्टी होने के कारण वह चल नहीं सके। यहां ड्रोन से भी तस्वीरें लेने की कोशिश की गई, लेकिन कामयाब नहीं हुई।

इंटरनेशनल टनलिंग और अंडरग्राउंड स्पेस एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. अर्नोल्ड डिक्स को भी बुलाया गया। साथ ही हिमाचल में सुरंग हादसे में मजदूरों को बचाने वाली टीम को भी यहां बुलाया गया।

नौवें दिन देर शाम टीम को सफलता मिली और छह इंच का दूसरा फूड पाइप मजदूरों तक पहुंचा दिया गया। देर शाम इसी पाइप से उन्हें खाने के लिए खिचड़ी और मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जर भेजे गए थे।

10वें दिन एंडोस्कोपिक फ्लेक्सी कैमरा सुरंग में फंसे मजदूरों तक पहुंचाया गया। बचावकर्मी वॉकी-टॉकी के माध्यम से फंसे हुए श्रमिकों से संपर्क करने की कोशिश करते रहे।

आज कुछ मजदूरों को पेट में खराबी व दर्द की शिकायत थी, जिसके लिए दवाई भेजी गई है। साथ ही मजदूरों को कुछ जरूरी कपड़े, ब्रश, पेस्ट भी भेजे गए हैं। मजदूरों से बात करने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने ऑडियो कम्युनिकेशन शुरू किया है। भीतर माइक्रोफोन और स्पीकर भेज दिया गया है।

पहली बार 1.8 मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली अमेरिकन ऑगर मशीन

देहरादून। अमेरिकन ऑगर मशीन भी बुधवार को काफी तेजी से चली। वैसे तो इस मशीन की ड्रिल स्पीड 5 मीटर प्रति घंटा है लेकिन मामूली अड़चनों के बीच पहली बार सुरंग के भीतर ये मशीन 1.8 से 2 मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली। विशेषज्ञों का कहना है कि ड्रिल मशीन की गति से काम करना सुरंग के भीतर के मलबे की वजह से मुश्किल था। रात 12 बजे से जब ड्रिल मशीन शुरू हुई तो सुबह 11 बजे तक उसने 800 मिमी पाइप को मलबे में 18 मीटर तक पहुंचा दिया। यानी करीब 10 से 11 घंटे में 18 मीटर। एनएचआईडीसीएल के निदेशक अंशु मलिक खल्खो का कहना है कि मशीन की गति 5 मीटर प्रति घंटा होती है लेकिन यहां अभी तक यह गति नहीं मिल पाई थी। हालांकि 2 मीटर प्रति घंटे तक की स्पीड भी बड़ी कामयाबी की ओर ले जाने वाली साबित हुई।

तीन बजे मलबा आया तो काम रोका

दिन में करीब तीन बजे अचानक मलबा आ जाने से काम रोकना पड़ा। हालांकि ये मलबा हल्का था, जिसे हटाकर दोबारा काम शुरू किया गया। खबर लिखे जाने तक ड्रिल का काम जारी था।

एएसपी के बेटे को एसयूवी ने रौंदा

साक्ष्य मिटाने के मामले में सपा के पूर्व जिला पंचायत सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में एएसपी श्वेता श्रीवास्तव के नौ वर्षीय बेटे की दुर्घटना में मौत मामले में सपा के पूर्व जिला पंचायत सदस्य रवींद्र सिंह को भी आरोपी बनाया गया था। उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके पहले उन्होंने एसयूवी को धुलवाकर खून के धब्बे मिटाए थे जिससे साक्ष्य मिटाने के मामले में उन्हें आरोपी बनाया गया था। आरोपी बनाने के बाद पुलिस उनकी खोज में जुटी थी। बता दें कि मंगलवार को एएसपी के नौ वर्षीय बेटे नामिश को एक एसयूवी ने जोरदार टक्कर मार दी थी। हादसे में मासूम की मौत हो गई थी। जनेश्वर मिश्रा पार्क के पास जी-20 रोड पर सुबह साढ़े पांच बजे हुए हादसे में रवींद्र सिंह का बेटा सार्थक सिंह एसयूवी चला रहा था। जांच में सामने आया कि उस समय एसयूवी में उसका साथी देवश्री भी मौजूद था। मासूम को टक्कर मारने के बाद भी चालक ने एसयूवी नहीं रोकी और भाग गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उन पर गैर इरादतन हत्या की धारा में एफआईआर दर्ज की गई है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

श्वेता के पति अभिनय गुरुग्राम में कार्यरत हैं। बेटे की मौत की सूचना पाते ही वह बिलखते हुए दोपहर में यहां पहुंचे। इकलौता बेटा खोने के गम में श्वेता व अभिनय पूरी तरह से टूट गए हैं। मानों गम का पहाड़ उन पर टूट गया हो। ये सदमा बर्दाश्त करना आसान नहीं है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि श्वेता पूरी तरह से सदमे में हैं। वह ठीक से बात तक नहीं कर पा रही हैं। अजीब तरह से बोल रही हैं। लोगों को पहचान तक नहीं पा रही हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि बेटे की मौत ने उन्हें किस तरह से झकझोर दिया है।

जहां स्टंट के खिलाफ अभियान चलाया, वहीं हुआ हादसा

श्वेता लंबे समय तक बतौर एसीपी गोमतीनगर तैनात रहीं। इसी सर्किल में गोमतीनगर विस्तार भी आता है। हादसा भी उसी इलाके में हुआ। गोमतीनगर में तैनाती के दौरान श्वेता ने मरीन ड्राइव समेत अन्य जगहों पर स्टंटबाजों के खिलाफ अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की थी।

राजोरी में मुठभेड़, दो अफसर समेत चार बलिदान

सुरक्षाबलों ने आतंकी को किया ढेर 16 कोर कमांडर ने संभाला मोर्चा

एजेंसी

राजोरी। जम्मू संभाग के जिला राजोरी के बाजीमाल इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। माना जा रहा है कि जंगलों से घिरे इस इलाके में दो से तीन आतंकवादियों छिपे हैं। पुलिस, सीआरपीएफ और सेना के जवानों ने मोर्चा संभाला हुआ है। दोनों ओर से गोलीबारी हो रही है। ताजा अपडेट के मुताबिक, राजोरी में आतंकी हमले के दौरान चार जवान शहीद हुए हैं। जिसमें दो अधिकारी और दो जवान शामिल हैं। इलाके में सेना को तैनात कर दिया गया है। 16 कोर कमांडर और राष्ट्रीय राइफल्स के रोमियो फोर्स कमांडर ऑपरेशन की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, आतंकवादियों की मौजूदगी की एक विशेष खुफिया सूचना मिली थी। जिसके आधार पर जनरल एरिया सोलकी, कालाकोट में एक ऑपरेशन शुरू किया गया था। 22 नवंबर को सुबह नौ बजे जब

तलाशी चल रही थी, तभी आतंकवादियों ने अपने ही सैनिकों पर गोलीबारी कर दी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ में सेना के दो कैप्टन और एक हवलदार बलिदान हो गए और एक जवान घायल है, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, सुरक्षाबलों ने यहां एक आतंकी को मार गिराया है। जम्मू आईजीपी आनंद जैन ने बताया कि राजोरी के उपमंडल कालाकोट के तहत पुलिस स्टेशन धर्मसाल के अंतर्गत सोलकी गांव के बाजी माल इलाके में विशेष सूचना पर घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया। दो आतंकवादियों के घिरे होने की आशंका है। मुठभेड़ को लेकर सेना और पुलिस के उच्च अधिकारी नजर बनाए हुए हैं। चार दिन पहले जिले के कालाकोट क्षेत्र में संदिग्ध देखे जाने के बाद से सुरक्षाबलों की तरफ से लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। रविवार शाम को आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने कालाकोट थाने के तहत जंगली इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया था। सूत्रों के अनुसार बेरवी गांव में दो से तीन आतंकियों के किसी स्थानीय निवासी के घर आने और वहां खाना खाने की सूचना मिली थी। इसके बाद बड़े पैमाने पर उक्त गांव में सेना और पुलिस ने कॉर्डन और सर्च ऑपरेशन शुरू किया, जोकि मंगलवार शाम को भी जारी था। सुरक्षा बलों ने बेरवी से सटे सलोकी, सियाल सुई, धर्मसाल, आदि वन क्षेत्रों में भी तलाशी शुरू की जो लगातार जारी रही। तलाशी अभियान में सेना और पुलिस के अलावा सीआरपीएफ के कोबरा कमांडो भी जुटे। ड्रोन और खोजी कुत्तों की मदद भी ली गई।

17 नवंबर को राजोरी के बुद्धल बहरोट में मारा गया था आतंकी

राजोरी जिले के बुद्धल इलाके में 17 नवंबर को हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया था। जिले के बुद्धल पुलिस थाने के अंतर्गत बहरोट गांव में दो से तीन आर्तकियों के छिपे होने के विशेष इनपुट के बाद सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। बहरोट, गूलीर, गब्बर, बतान आदि गांवों की बीते तीन-चार दिन से कुछ संदिग्ध बंदूकधारी घूम रहे थे। सुरक्षाबलों ने इन इलाकों की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। छिपे आर्तकियों ने आधार पर सेना और पुलिस ने संयुक्त रूप से घेराबंदी करके तलाशी अभियान शुरू किया जिसकी निगरानी राजोरी के एसएसपी अमृतपाल सिंह और सेना के अधिकारी स्वयं कर रहे थे। सूत्रों से मेरी जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सेना और पुलिस ने बहरोट गांव के ऊपरी इलाके मे बकरवाल पतिवारों की खाली पड़ी ढोक में एक संदिग्ध ठिकाने को चारों ओर से घेरा और सूचना थी कि ढोक के अंदर दो से तीन आतंकवादी छुपे हैं। पहले सुरक्षा वालों ने उसे पर गोलाबारी की लेकिन सामने से कोई जवाब नहीं आया तो घेरा बंदी जारी रखते हुए फायरिंग बंद कर दी। करीब आधे घंटे बाद सुरक्षा बलों ने फिर से गोलाबारी की तो ढोक के अंदर से भी फायरिंग की गई और अंदर से एक आतंकी ने दरवाज़े से बाहर निकल कर सुरक्षा बलो पर हैंड गर्नेड फेंकने का प्रयास किया लेकिन सुरक्षा बलों ने उस आतंकवादी को वहीं ढेर कर दिया। इसी इलाके में दो और आतंकी छिपे होने की खबर पर लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

मुलायम की जयंती पर अखिलेश का संकल्प

फिर जमीनी संघर्ष शुरू करेगी सपा: अखिलेश यादव

एजेंसी

सैफई। यूपी के पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सैफई में भव्य समारोह आयोजित किया गया। नेता जी के स्मारक का शिलान्यास करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने श्रद्धांजलि दी।

सैफई में नेता जी के स्मारक का शिलान्यास करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने श्रद्धांजलि दी। सैफई के लोग बुधवार को खुश नजर आए। उन्हें मंच पर मौजूद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव में नेता जी नजर आए। लोगों का कहना था कि अखिलेश यादव में जमीनी जुड़ाव और सत्कार की भी भावना अधिक रही। मंच पर मिले 50 बुजुर्गों के सम्मान से भी लोग उत्साहित थे।

सैफई में लगे अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे

लगभग साढ़े 11 बजे कार्यक्रम स्थल पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पहुंचते ही अखिलेश यादव जिंदाबाद, नेता जी अमर रहें के नारों से पंडाल गूंजने लगा। मंच पर पहुंचकर उन्होंने मंच पर उपस्थित सभी नेताओं और बुजुर्गों को नमस्कार करने के साथ ही जनता को भी हाथ हिलाकर उत्साहित किया। मंच पर पहली बार वरिष्ठ नेताओं के साथ वृद्ध नेताओं को भी स्थान दिया गया। इससे सभी खुश नजर आए। नेता जी के साथ रहे सभी बुजुर्ग नेताओं के पास खुद जा-जाकर अखिलेश यादव ने उन्हें शौल ओढ़ाई। इससे मंच पर मौजूद लोगों के साथ ही कार्यक्रम स्थल पर मौजूद सैफईवासियों को नेता जी याद आ गए। उन्होंने कहा कि पहली बार अखिलेश समय में इतनी बड़ी संख्या में बुजुर्गों को स्थान मिला। उनका स्नेह नेता जी की तरह ही लग रहा था। नेता जी भी इसी तरह बड़े आयोजनों में बुजुर्गों का सम्मान नहीं भूलते थे।

चाचा शिवपाल भी कार्यक्रम में पहुंचे

पौने तीन घंटे में मंच से सपा के वरिष्ठ नेताओं ने नेता जी के संघर्षों की कहानियां बताते हुए मुलायम सिंह यादव की तरह फिर एक बार जमीन से जुड़ा संघर्ष शुरू करने का कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाया है। 2024 तक मुलायम सिंह यादव की तरह दिल्ली में सपा के राष्ट्रीय महासचिव की धमक बनाने के लिए तैयारी में जुटने की अपील की है। अंत्येष्टि स्थल पर हवन पूजन करते सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रोफेसर रामगोपाल यादव और शिवपाल सिंह यादव मौजूद रहे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के स्मारक की तर्ज पर नेता जी का स्मारक बनवाया जाएगा। सैफईवासियों ने कहा कि नेता जी अखिलेश यादव में नजर आए।

जयंती कार्यक्रम में नहीं आए प्रतीक और अपर्णा यादव

नेता जी की जयंती कार्यक्रम में उनके छोटे बेटे प्रतीक और बहू अपर्णा यादव नहीं दिखाई दिए। मुलायम सिंह यादव के निधन में ही दोनों अंतिम बार सैफई आए थे। इससे राजनीतिक गलियारों में चर्चा रही कि अपर्णा के अलग पार्टी में शामिल होने के बाद से कुछ दूरियां बनी हुई हैं। ऐसे में वह दोनों शामिल होने नहीं आए।

सैफईवासियों ने नेताजी को किया याद

सैफई के प्रधान रामफल बाल्मीकि ने बताया कि आज राष्ट्रीय अध्यक्ष को देखकर नेता जी की याद आ गई। नेता जी हमेशा मंच पर बुजुर्गों को स्थान देते थे। हमारी हर खुशी और गम में आकर शामिल होते थे। ऐसा ही नजारा उनकी जयंती पर देखने को मिला है। सैफई निवासी संतोश शाक्य ने बताया कि नेता जी हमेशा बुजुर्गों और युवाओं का हमेशा ध्यान रखते थे। अब अखिलेश भइया में भी वही नजर आ रहा है। जयंती पर उन्होंने बुजुर्गों के सम्मान के साथ ही युवाओं को मजबूती से लड़ने का संदेश दिया है।

वोट बैंक के नाम पर आखिर अराजकता फैलाने की छूट कब तक होगी: सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जोधपुर में दंगाई तलवारें लहरा रहे थे, यूपी होता तो मेरा बुलडोजर उन्हें रौंद देता। योगी ने राजस्थान विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में बुधवार को जोधपुर, बीकानेर, नागौर और चुरू में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया। योगी ने जोधपुर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दो वर्ष पहले सड़कों पर नंगी तलवारें लहरा रही थीं और दंगाई दंगा कर रहे थे। जोधपुर में नग्न तांडव पर गहलोत सरकार मौन थी। उन्होंने कहा कि चुनाव सहानुभूति का नहीं, भविष्य निर्माण का अवसर होता है। राजस्थान के सुखद भविष्य के लिए भाजपा जरूरी है।

वोट बैंक के नाम पर अराजकता फैलाने की छूट कब तक

योगी आदित्यनाथ ने जोधपुर शहर से अतुल भंसाली, सूरसागर से देवेंद्र जोशी, सरदारपुरा से डॉ. महेंद्र सिंह राठौड़ समर्थन में चुनावी सभा की। उन्होंने कहा कि वोट बैंक के नाम पर आखिर अराजकता फैलाने की छूट कब तक होगी। यह कर्फ्यू व दंगों वाली सरकार है। अलवर, जोधपुर में पूज्य संतों की हत्या पर सरकार सुनवाई करने को तैयार नहीं।

हार देख कांग्रेस के लोग फैला रहे थे अफवाह

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस के लोग अपनी हार देख कल से अफवाह फैला रहे थे कि मैं नहीं आ रहा हूं। फोन आ रहे थे, मैंने बताया कि दूसरी जनसभा नोखा में ही है। हम लोग प्रभु श्रीराम के भक्त हैं। उन्होंने कहा कि जो वचन दिया था, उसे पूरा करने के लिए फिर से नोखा आया हूं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश में गरीबी, अव्यवस्था व अविश्वास दिया तो मोदी ने हर व्यक्ति के सम्मान की रक्षा की। मुख्यमंत्री रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी अभिनेश महर्षि के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में कहा कि कांग्रेस माफिया को नियंत्रित भी नहीं कर सकती है। ऐसे में उसे शासन का अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री ने राजस्थान की जनता को 22 जनवरी के बाद अयोध्या में श्रीराम मंदिर दर्शन के लिए भी आमंत्रित किया।

कपड़े के थैले और स्टेशनरी पा कर खिले बच्चों के चेहरे

द अचीवर टाइम्स, निखिल मिश्रा

सरोजनीनगर। उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ के प्राथमिक विद्यालय खुशहालगंज, प्राथमिक विद्यालय टेकवा, तथा प्राथमिक विद्यालय फतेहगंज के बच्चों को सरोजिनी नगर के विधायक डा.राजेश्वर सिंह द्वारा पर्यावरण रक्षा हेतु वितरित किए गए कपड़े के थैले। अत्याधुनिकत वैश्वीकरण के समय में उपभोक्तावादी युग का बोलबाला है ,जहां एक तरफ पॉलिथीन की भरमार होती जा रही है वहीं दूसरी तरफ जागरूकता अभियान के तहत सरोजिनी नगर को पॉलिथीन मुक्त बनाया जा सके और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक यह बात पहुंचाई जा सके सरोजिनी नगर के विधायक का प्रयास लगातार जारी है। जागरूकता अभियान के तहत प्राथमिक विद्यालय के हजारों बच्चों को कपड़े के थैले वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाता है यह थैली स्वयं सहायता समूह के द्वारा तैयार किए जाते हैं। प्राथमिक विद्यालय खुशहाल गंज की इंचार्ज अंजलि सक्सेना ने बच्चों को स्कूल की सामग्री लाने के लिए इन थैले का उपयोग करने तथा अपने घर वालों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में किस प्रकार पॉलिथीन का प्रयोग ना किया जाए यह बताया। शिक्षक प्रतिनिधि रीना त्रिपाठी ने बच्चों को पर्यावरण के लिए पॉलिथीन कितनी हानिकारक है और पॉलिथीन के उपयोग से किस प्रकार हमारा पर्यावरण विनिष्ठ हो रहा है हर प्रकार के प्रदूषण का मुख्य कारण पॉलिथीन बनता है यदि पॉलिथीन को फेंका जाता है तो नालियां और मैदान गंदे होते हैं यदि पॉलिथीन को जलाया जाता है तो वायु प्रदूषण होता है यदि पॉलिथीन को बाहर जाता है तो नदी और नाले चौक हो जाते हैं जिससे वहां के जीव जंतु और नेचुरल हैबिटाट खत्म हो जाता है। यदि बच्चे बचपन से ही इस बात के प्रति जागरूक होंगे कि पालीथिन के कितने नुकसान हैं तो निश्चित रूप से एक दिन ऐसा आएगा कि हमारा समाज पॉलिथीन मुक्त बन सकेगा। सभी शिक्षकों ने तथा काकोरी के एआरपी मुकुल पांडे ने बच्चों को समाज का नन्हा दूत बताते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी कि वह पॉलिथीन का उपयोग नहीं करेंगे ।पॉलिथीन से उपयोग से बचें और ज्यादा से ज्यादा कपड़े के थैली का उपयोग किया जाए यह संदेश इस कार्यक्रम के माध्यम से दिया और हजारों बच्चों को कॉफी स्टेशनरी और टॉफियों के साथ थैले वितरित किए गए। थैले का वितरण विधायक सरोजिनी नगर के कार्यालय की टीम नेहा सिंह, आनंद जोशी, तथा नितेश के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में मुकुल पांडे, रीना त्रिपाठी,अंजलि सक्सेना, अपर्णा तिवारी, इरम फातिमा ,रूप सिंह ,इरशाद परवीन ,शैलजा गुप्ता, मूवीना बानो ,संगीता शर्मा ,सरोज खरे, अगम कुमार, रेनू वर्मा ,अनीता वर्मा, राजकुमारी वर्मा, रईसा खातून उपस्थिति रही।

आवास विकास मोड़ पर स्थित मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने वीरांगना झलकारी वाई मूर्ति का क्या अनावरण

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। मंत्री वित्त एवं संसदीय कार्य उत्तर प्रदेश की सुरेश कुमार खन्ना ने आज दिनांक 22 11 2013 को अपराह्न 2ः00 बजे बरेली मोड़ आवास विकास स्थित वीरांगना झलकारी बाई की जन्म दिवस के अवसर पर प्रतिमा का अनावरण किया इस मौके पर मंत्री जी ने उपस्थित समस्त समस्त जनता बा पूरी समाज के लोगों को जन्म दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपील की गई कि अब आपको नगर निगम प्राप्त हो गया है और आपकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि आप इस इसको स्वच्छ साफ रखें तथा नगर निगम का भरपूर सहयोग करें जिससे हमारा नगर निगम वैश्विक पटल पर चमके इसके साथ ही उपस्थित महापौर महोदय ने आम जनता को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय मंत्री जी के आज तक प्रयासों से हमारे गणपत को नगर पालिका से नगर निगम बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है इसके साथ ही उम्मीद की किरण भी अच्छी है कि आने वाले समय में नगर निगम बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है इसके साथी उम्मीद की किरण भी अच्छी है की आने वाले समय में हमारा जनपद शाहजहांपुर एक अच्छे महानगर के रूप में विकसित होगा जानकारी बाय रानी लक्ष्मी बाई की प्रमुख सेवा में महिला शाखा दुर्गा दल की सेनापति थी उनके द्वारा अपने जीवन काल ने किए गए कार्य पर प्रकाश डाला गया इस आयोजन में माननीय मंत्री व माननीय महापौर अर्चना वर्मा माननीय सांसद अरुण कुमार सागर माननीय विधायक गरबा पाषर्दगढ़ अनूप माननीय गुप्ता बहन ने वह पाषर्दगढ़ जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष डीसी राठौर राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र बाल्मिक पूर्व सांसद कृष्णराज के अतिरिक्त अपर नगर आयुक्त एसके सिंह मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक हरिवंश सिंह दीक्षित तथा पूरी समाज के अतिरिक्त सामंत नगरीकरण उपस्थित रहे

एक नज़र

A1 यशिका एंटरप्राइजेज और सिंगर गुलशन सुमन द्वारा ये गुफ्तगू कैसी सॉन्ग रिलीज किया गया

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। अपने लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए ऐसे कई व्यक्ति है जो संघर्ष करके अपनी जीवन की बुलंदियों को हासिल कर चुके है। उन्ही महान हस्तियों के लिए दिल्ली के एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ऑफिसर इंस्टीट्यूट में मिडास टॉक द्वारा बिजनेस नेटवर्किंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को बॉलीवुड सिंगर व म्यूजिक कंपोजर गुलशन सुमन और मिडास टॉक के फाउंडर नवीन कुमार द्वारा आयोजित किया गया। मिडास टॉक द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम मैं सभी स्पीकर ने अपने जीवन को जीने का और लक्ष्य को पूरा करने का सलीका बताया। इस दौरान कई गणमान्य अतिथि और मोटिवेशनल स्पीकर उपस्थित रहे। इस मौके पर 1 यशिका एंटरप्राइजेज द्वारा नया सॉन्ग ये गुफ्तगू कैसी रिलीज किया गया। जिसके सिंगर और म्यूजिक कंपोजर गुलशन सुमन और राइटर पायल नैब हांडा है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो ने गाने की लिरिक्स की खूब सराहना की।

बालामऊ-लखनऊ स्पेशल आज निरस्त

लखनऊ। ऐशबाग-मानकनगर बाईपास पर निर्माण कार्य के चलते आरसीसी ब्लॉक लिया गया है। इससे बालामऊ-लखनऊ स्पेशल 23 नवंबर को निरस्त रहेगी। लखनऊ-शाहजहांपुर स्पेशल 25 तक कैंसिल है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा ने बताया कि ट्रेन 13006 अमृतसर-हावड़ा मेल 23, 24 व 25 नवंबर को आलमनगर-ट्रांसपोर्टनगर उतरेठिया के रास्ते गुजारी जाएगी। ऐसे में ट्रेन चारबाग के बजाय आलमनगर और उतरेठिया में रुकेगी। 13308 गंगासतलुज एक्सप्रेस भी आलमनगर और उतरेठिया में रुकते हुए संचालित होगी। 23 नवंबर को अर्चना एक्सप्रेस, भठिंडा-वाराणसी स्पेशल, जयनगर-आनंद विहार स्पेशल भी उतरेठिया व आलमनगर स्टेशन पर रुकेगी। इसके अलावा लखनऊ जंक्शन-मेरठ सिटी राज्यरानी एक्सप्रेस, चंडीगढ़-डिब्रूगढ़, कोलकाता जम्मूतवी, मेरठ सिटी-लखनऊ जंक्शन राज्यरानी, लोहित एक्सप्रेस और जलियांवालाबाग एक्सप्रेस अलग-अलग तारीखों में देरी से चलाई जाएंगी।

होगी इस ढेर इमारत की कहानी कुछ तो...

लखनऊ। सब फूल दरवाजों में थे, सब रंग आवाजों में थे।
इक शहर देखा था कभी, उस शहर की क्या बात थी।

शायर अहमद मुश्ताक का यह शेर गुजरे जमाने के शहर-ए-लखनऊ की बात कहता हुआ नजर आता है। लेकिन अब वो दर-ओ-दीवारें अब वैसी नहीं रहीं। राजधानी में हमारी ऐतिहासिक धरोहरें हमें विरासत में मिली हैं। पूरे विश्व में इनका अपना अलग स्थान है। इन्हें संजोकर रखने की हम सबकी जिम्मेदारी है। बावजूद शासन-प्रशासन स्तर पर उपेक्षा का दीमक इन्हें दिन-ब-दिन खोखला करता जा रहा है। लखनऊ। इस समय विश्व धरोहर सप्ताह मनाया जा रहा है। हर साल इस अवसर पर सरकारी आयोजन होते हैं, बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं लेकिन धरातल पर नतीजा सिफर ही रहता है। शहर में राज्य पुरातत्व विभाग के तहत आने वाली छह ऐतिहासिक इमारतें और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत आने वाली 60 संरक्षित धरोहरों की स्थित लगभग एक जैसी है। इनका मूल स्वरूप बना रहे, इसके लिए विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे है। शायर शहरयार रसूल का एक शेर इन इमारतों पर बिल्कुल सटीक बैठता है।

होगी इस ढेर इमारत की कहानी कुछ तो।
ढूंढ अल्फाज के मलबे में मआनी कुछ तो।

खरीदारों की रकम पर कुंडली मारे बिल्डरों के खाते सीज

लखनऊ। आशियाने का सपना दिखाकर आम जनता की जिंदगी भर की कमाई दबाए बैठे बिल्डरों (प्रमोटर) के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। अंसल, पार्थ समेत पांच डवलपर के खाते सीज कर दिए गए हैं। वहीं 88 प्रमोटर पर शिकंजा कसने की तैयारी है। इनसे 273 करोड़ रुपये वसूले जाने हैं। रेरा ने इनकी सूची जिला प्रशासन को दे दी है। वहीं, लखनऊ विकास प्राधिकरण और एमार एमजीएफ लैंड लिमिटेड से वसूली की गई है। बिल्डरों ने खरीदारों को न तो मकान-फ्लैट दिया और न ही उनका पैसा वापस कर रहे हैं। लिहाजा इनसे वसूली के लिए सख्ती शुरू हो गई है। जिला प्रशासन ने अंसल, पार्थ इंफ्रा, श्री कोलोनाईजर्स, केजी कंस्ट्रक्शन और भव्या क्रिएटर्स के खाते सीज कर दिए हैं। श्री कोलोनाईजर्स और केजी कंस्ट्रक्शन की नीलामी की तैयारी की जा रही है। भव्या क्रिएटर्स की ओर से जो चेक दिया गया था, वह बाउंस हो गया। प्रशासन ने भव्या क्रिएटर्स के खिलाफ चेक बाउंस का केस भी दर्ज कराया है। साथ ही उसकी नीलामी के लिए कार्यवाही की जा रही है। इसके अलावा पोलार्स इंफ्रा डेवलपर्स की नीलामी बृहस्पतिवार को की जाएगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण से 5 करोड़ 98 लाख 65 हजार 859 रुपये और एमार एमजीएफ से 11 लाख 88 हजार 636 रुपये वसूले गए हैं।

दबंग लोग सड़क पर जानवरो को बांधकर में फैला रहे हैं गंदगी

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया।

राजधानी लखनऊ। ठाकुरगंज क्षेत्र के फरीदी पुर में भोला नर्सरी के सामने धडल्ले से की जा रही है। नगर विकास मंत्री के आदेशों की अवहेलना जहां एक तरफ पूरे देश में प्रधानमंत्री स्वच्छता अभियान चला रहे हैं। वही फरीदी पुर क्षेत्र में भोला नर्सरी के सामने स्वच्छता अभियान को लगा रहे हैं। पलीता। बता दे स्थानीय लोगो का कहना है। कि कुछ दबंग लोग सड़क पर ही बांध देते है । जिसकी वजह से आवा गमन में प्रभावित होता है। वाहनों को निकलने में काफी दिक्कत हो जाती है। और कभी कभी ऐसा भी होता है। जानवर लोगो को मारने भी दौड़ पड़ते हैं। जिससे कई बार लोग चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय लोगो ने बताया कि सड़क गोबर में तब्दील हो जाती है। जानवरो को गोबर सड़को पर फैला पड़ा रहता है। नालियां में गोबर व गंदगी के कारण नालियां भी चोक हो जाती है। जिससे नालियों को पानी सड़को पर फैलता है जिसकी वजह से क्षेत्र में बीमारियां फैल रही है। डेंगू, चिकनगुनिया, आदि कई बीमारियों का शिकार हो रहे हैं लोग।

गांव की समस्या गांव में समाधान अन्तर्गत ग्राम व पो0 उखरी में उप मुख्यमंत्री ने लगाई जनचौपाल

❖ अब तक जनचौपाल में 43 लाख 74 हजार लोगो ने सहभाग किया, 3 लाख 38 हजार लोगो ने शिकायत दर्ज करायी तथा 2 लाख 80 हजार से अधिक लोगो की शिकायतों का समाधान किया गयाः उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहाँपुर। उप मुख्यमंत्री, उ0प्र0 केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को ÷गांव की समस्या, गांव में समाधान÷ के अन्तर्गत ग्राम व पो0 उखरी, ब्लाक खुदागंज में जन चौपाल लगाई। चौपाल में उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होने ग्राम संगठन और स्वयं सहायता समूह के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया व स्वरोजगार योजनाओं से सम्बन्धित लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी भेंट कर बधाई दी। चौपाल में उप मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के कार्यो की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस योजना से महिलाओं को सम्मान भी प्राप्त हुआ है और वे स्वावलम्बी भी बनी है। गरीबों को डीबीटी के माध्यम से योजनाओं के पात्र लाभार्थियों तक सीधे उनके खाते में पैसा भेजा जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गांव, गरीब किसान, महिला, नवयुवकों के उत्थान एवं प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मंत्री वित्त एवं संसदीय कार्य सुरेश कुमार खन्ना जी ने अपने सबोधन में कहा कि हर घर जल योजनान्तर्गत सभी घरों में शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराया गया है। शुद्ध पेय जल उपलब्ध घर-घर तक पहुचाने में सड़कों की खुदायी के कारण जो असुबिधा हुयी है उसे जल्द दूर किया जायेगा। उन्होने कहा कि सरकार की सभी योजनाए गरीबो के कल्याण तथा उनके हित के लिये है। कार्यक्रम के दौरान सांसद अरूण कुमार सागर, सांसद राज्य सभा मिथलेश कुमार, विधायक पुवायां चेतराम, विधायक ददरौल मानवेन्द्र सिंह, विधायक कटरा डा0 वीर विक्रम सिंह ''प्रिंस'', विधायक तिलहर सलोना कुशवाहा, विधायक जलालाबाद हरिप्रकाश वर्मा, सदस्य विधान परिषद सुधीर गुप्ता, महापौर अर्चना वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव सहित मा0 जनप्रतिनिधिगण, प्रबुद्धजन तथा शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नागरिकों ने थक हार कर स्वयं पुल निर्माण का बीणा उठाया

कोणेश्वर महादेव मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन

द अचीवर टाइम्स, निखिल मिश्रा

मलिहाबाद, लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ के तहसील मलिहाबाद में एक अति प्राचीन शिव मंदिर कोनेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। उस मंदिर और मलिहाबाद के मध्य बेहता नदी के होने से मंदिर और मंदिर के पास श्मशान घाट उपेक्षित और जर्जर हो गया था। स्थानीय लोगों के द्वारा क्षेत्र के सभी जन प्रतिनिधियों से नदी पर एक पुल के निर्माण हेतु कई बार निवेदन किया गया किंतु जन प्रतिनिधियों द्वारा हमेशा को तरह कोई सुनवाई नई को गई। अंततः स्थानीय नागरिकों ने थक हार कर स्वयं पुल निर्माण का बीणा उठाया तथा आपसी सहयोग से पुल का निर्माण कराकर मंदिर का जीर्णोधार भी कराया। बुधवार को पुल का शुभारंभ किया गया तथा मंदिर प्रांगण में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। पुल बन जाने से स्थानीय लोगों में उत्साह देखते ही बन रहा है। उक्त कार्य में शशिलता शुक्ला, अनिल अग्निहोत्री, एडवोकेट विवेक तिवारी, एडवोकेट राहुल शुक्ला, शरद मिश्रा, रवि राजपूत (सभाषद मोहम्मडन टोला) शशिकांत यादव उर्फ शीलू, दीपू कश्यप, अरुण कश्यप, संतोष रावत, संतोष शर्मा, नंदकिशोर, सुशील भारती हेमराज भारती , सलभ गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

रिचा को चांसलर, स्वराज को चक्रवर्ती पदक

लखनऊ। लविवि ने बृहस्पतिवार को दीक्षांत समारोह में मुख्य पदक पाने वाले मेधावियों के नाम घोषित कर दिए। समारोह में विवि का सबसे प्रतिष्ठित चांसलर पदक एमए साइकोलॉजी की छात्रा रिचा सामंत को मिलेगा। वहीं (ज्ञानेंद्रनाथ) जीएन चक्रवर्ती पदक एलएलबी पांच वर्ष कोर्स के विद्यार्थी स्वराज शुक्ला को दिया जाएगा। कुलपति पदक के लिए विवि की बेस्ट एनसीसी कैडेट और बीकॉम की छात्रा भाविनी बहुगुणा का चयन किया गया है। विवि का दीक्षांत समारोह छह दिसंबर को प्रस्तावित है। इसमें करीब 53 हजार विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी। समारोह को लेकर सभी तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने अभी इसके लिए औपचारिक सहमति नहीं दी है। दीक्षांत समारोह विवि के कला प्रांगण में होगा।

प्राइवेट गन्ना खरीदे से नाराज किसान ने की रोड जाम पुलिस ने दो ट्रेक्टर ट्राली को किया सीज

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। तहसील महमूदाबाद के थाना रामपुर मथुरा क्षेत्र के महमूदाबाद मार्ग के इस ग्राम मियां पुरवा की मंगलवार को किसानों के द्वारा काम रेट गन्ना खरीदनी को जाने को लेकर सड़क जाम कर दी गई प्राइवेट गन्ना त्रेता के द्वारा को लेकर आरोप लगाया गया कि प्राइवेट गुड मिठाई वालेकम रेट में गन्ना हमारा खरीद रहे हैं गुड भट्ठी के मालिक अपनी मनमानी तरीके से खरीद रहे किसानों का या भी कहना है कि हम किसान कह गन्ना लेकर जाए और कहां बिक्री करें कई किसानों ने यह भी बताएं की महमूदाबाद मिल में जो गन्ना रिजेक्ट कर दिया जाता है तो हम लोग उस गन्ने को लेकर हम लोग का जाए किसानों ने यह भी कहा कि इस समय हर हर गुड मिठाई वालों को ?250 रुपए में लेना चाहिए किसानों द्वारा सड़क जाम की जानकारी जब पुलिस को हुई तो मोके पर पहुंची पुलिस रामपुर मथुरा थान गांव और महमूदाबाद की पुलिस जाम ना हटाने वालों किसानों के टेक्टर ट्राली को सीज करते हुए सड़क का जाम खुलवाया रेउसा महमूदाबाद मार्ग जो कई घंटे से बाधित था उसका आवागमन पुलिस ने चालू कर दिया

आवास विकास मोड़ पर स्थित मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने वीरांगना झलकारी वाई मूर्ति का क्या अनावरण

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। मंत्री वित्त एवं संसदीय कार्य उत्तर प्रदेश की सुरेश कुमार खन्ना ने आज दिनांक 22.11.2013 को अपराह्न 2:00 बजे बरेली मोड़ आवास विकास स्थित वीरांगना झलकारी बाई की जन्म दिवस के अवसर पर प्रतिमा का अनावरण किया इस मौके पर मंत्री जी ने उपस्थित समस्त समस्त जनता बा पूरी समाज के लोगों को जन्म दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपील की गई कि अब आपको नगर निगम प्राप्त हो गया है और आपकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि आप इस इसको स्वच्छ साफ रखें तथा नगर निगम का भरपूर सहयोग करें जिससे हमारा नगर निगम वैश्विक पटल पर चमके इसके साथ ही उपस्थित महापौर ने आम जनता को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय मंत्री जी के आज तक प्रयासों से हमारे गणपत को नगर पालिका से नगर निगम बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है इसके साथ ही उम्मीद की किरण भी अच्छी है कि आने वाले समय में नगर निगम बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है इसके साथी उम्मीद की किरण भी अच्छी है की आने वाले समय में हमारा जनपद शाहजहांपुर एक अच्छे महानगर के रूप में विकसित होगा जानकारी बाय रानी लक्ष्मी बाई की प्रमुख सेवा में महिला शाखा दुर्गा दल की सेनापति थी उनके द्वारा अपने जीवन काल ने किए गए कार्य पर प्रकाश डाला गया इस आयोजन में मंत्री व महापौर अर्चना वर्मा माननीय सांसद अरुण कुमार सागर माननीय विधायक गरबा पाषर्दगढ़ अनूप माननीय गुप्ता बहन ने वह पाषर्दगढ़ जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष डीसी राठौर राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र बाल्मिक पूर्व सांसद कृष्णराज के अतिरिक्त अपर नगर आयुक्त एसके सिंह मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक हरिवंश सिंह दीक्षित तथा पूरी समाज के अतिरिक्त सामंत नगरीकरण उपस्थित रहे

विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

बिलग्राम हरदोई। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के अध्यक्ष/जिला जज श्री राजकुमार सिंह जी तथा सचिव/अपर जिला जज सुधाकर दुबे जी के आदेशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति के सचिव/तहसीलदार अमित यादव के निर्देशानुसार विनोद कुमार त्रिवेदी प्रशासनिक अधिकारी तहसील बिलग्राम की उपस्थिति में स्थाई लोक अदालत तथा लीगल एंड डिफेंस काउंसिल सिस्टम व उसकी प्रक्रिया के संबंध में एवं ट्रांसजेंडर के अधिकार एवं शासन के लाभकारी प्रावधान विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन प्राथमिक विद्यालय कुतलूपुर मैं किया गया, जिसमें लीगल एड क्लीनिक आशीष तिवारी के द्वारा बताया गया कि स्थाई लोक अदालत का गठन विधिक सेवाएं प्राधिकरण अधिनियम ए 1987 की धारा 22 बी की उप धारा (1) के अंतर्गत हुआ है जनहित सेवाएं से संबंधित विभाग जैसे बिजली, पानी, अस्पताल आदि से संबंधित मामलों को मुकदमे दायर करने से पहले आपसी सुलह से निपटने के लिए राज्य प्राधिकरण द्वारा स्थाई लोक अदालतों की स्थापना की गई है, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम व उसकी प्रक्रिया के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लोगों को निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने हेतु बड़ा फैसला लिया है उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली (ङ्गष्ठष्ट) लागू करने का निर्णय लिया है जिसमें आम जनता की समस्याओं का निपटारा जल्द हो सके साथ ही लोगों को निशुल्क में लीगल एड मिल सके, ट्रांसजेंडर के अधिकार के अंतर्गत ट्रांसजेंडर ऐसा व्यक्ति है जो की ना तो महिला ना तो पुरुष की श्रेणी में आता है, उसमें महिला और पुरुष दोनों का संयोजन है इसके अतिरिक्त उस व्यक्ति का लिंग जन्म के समय नियत लिंग से मेल नहीं खाता, तथा आगामी होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। शिविर में उपस्थित ग्राम प्रधान कन्हैया लाल एवं प्रधानाध्यापक शाहबानो के साथ सहायक अध्यापक मंजू देवी आदि व बच्चे तथा क्षेत्रीय ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पूर्वांचल में नक्सली नेटवर्क की जांच NIA के हवाले

ATS द्वारा दर्ज मुकदमे लिये अपने हाथ

संवाददाता

लखनऊ। पूर्वांचल में नक्सलियों की बढ़ती सक्रियता के पुख्ता प्रमाण मिलने के बाद राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) ने जांच शुरू कर दी है। एनआईए ने बीती 16 अगस्त को बलिया में हथियारों के साथ यूपी एटीएस द्वारा गिरफ्तार किये गये पांच नक्सलियों पर दर्ज मुकदमे को टेकओवर किया है। राजधानी स्थित एनआईए के थाने में इस संबंध में नया केस दर्ज कर डीआईजी के नेतृत्व में जांच शुरू कर दी गयी है। बता दें कि इस नेटवर्क के तार वाराणसी, प्रयागराज, देवरिया, चंदौली, आजमगढ़ समेत कई शहरों से जुड़ने के बाद एनआईए ने 5 सितंबर को छापा मारकर अहम सुबूत भी जुटाए थे। बताते चलें कि यूपी एटीएस ने 16 अगस्त को बलिया में

एनआईए ने बीती 16 अगस्त को बलिया में हथियारों के साथ यूपी एटीएस द्वारा गिरफ्तार किये गये पांच नक्सलियों पर दर्ज मुकदमे को टेकओवर किया है।

गोपनीय बैठक कर रहे पांच नक्सलियों तारा देवी, लल्लू राम, सत्य प्रकाश, राममूरत और विनोद साहनी को गिरफ्तार किया था। उनके पास से नाइन एमएम की पिस्टल, कारतूस, सात मोबाइल, लैपटॉप, प्रतिबंधित संगठन का नक्सली साहित्य, पम्पलेट और दस हजार रुपये बरामद हुए थे। एटीएस ने इनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया था, जिसे अब एनआईए ने टेकओवर कर लिया है। एटीएस की जांच में सामने आया था कि सीपीआई (माओवादी) नक्सली संगठन की केंद्रीय कमेटी के प्रमोद मिश्रा उर्फ बुढऊ उर्फ बन बिहारी उर्फ डॉक्टर साहब ने पूर्वांचल में एडहॉक कमेटी बनाई थी। संगठन के सचिव बलिया निवासी संतोष वर्मा उर्फ मंतोष के जरिए लगाता पूर्वांचल के कई जिलों में महिलाओं और पुरुषों की भर्ती की जा रही थी। साथ ही, पूर्वांचल में किसी सरकार विरोधी आंदोलन को चुनकर उसको सशस्त्र आंदोलन में बदलने की साजिश रची जा रही थी। इसके लिए जंगल में हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा था।

कई राज्यों से जुड़े हैं तार

एटीएस द्वारा गिरफ्तार तारा देवी उर्फ मंजू उर्फ मनीषा 18 साल से नक्सली घटनाओं में शामिल रही है। वह नए सक्रिय सदस्यों की भर्ती के लिए नक्सल के एमओ (मास आर्गनाइजेशन) एवं मुखौटा संगठनों के साथियों के साथ मिलकर काम कर रही थी। पुराने भूमिगत सदस्यों के साथ नए लोगों की भर्ती कर रही थी। उनका उद्देश्य भारत सरकार के खिलाफ नक्सली विचारधारा के लोगों को जुटाकर सशस्त्र विद्रोह के जरिए सरकारी व्यवस्था को उखाड़ना था। वह नक्सलियों की सरकार स्थापित करने के लिए अपनी पार्टी भाकपा (माओवादी) के लिए चंदा व लेवी वसूलने व हथियार जमा कर रही थी।

नक्सलियों के थे खतरनाक मंसूबे

गिरफ्तार नक्सलियों के मंसूबे बेहद खतरनाक थे। केंद्रीय कमेटी के नेताओं के इशारे पर वह बलिया, आजमगढ़, वाराणसी और चंदौली को केंद्र बनाकर यूपी में नक्सली गतिविधियां बढ़ा रहे थे। यूपी के बलिया, मिर्जापुर, गाजीपुर, आजमगढ़, वाराणसी, चंदौली के अलावा बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ के तमाम जिलों में नक्सली गतिविधियों को विस्तार देते हुए भाकपा (माओवादी) का शासन स्थापित करने की साजिश रची जा रही थी। उनके पास से बरामद डायरी में बीते दिनों एनकाउंटर में मारे गए नक्सलियों के नाम और संगठन को होने वाली फंडिंग का ब्योरा भी मिला था।

बड़ी साजिश के सुराग मिलने पर नक्सलियों के खिलाफ दो मुकदमे

यूपी के पूर्वांचल के तमाम जिलों में नक्सलियों की बढ़ती सक्रियता और उनके खतरनाक मंसूबों का पता लगने के बाद एनआईए ने पांच सितंबर को वाराणसी, प्रयागराज, चंदौली, देवरिया, आजमगढ़ समेत कई जिलों में छापा मारा था। इस दौरान तमाम संदिग्ध दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, डायरी, आदि मिलने के बाद एनआईए ने लखनऊ स्थित अपने थाने पर मुकदमा दर्ज किया था। जांच में नक्सली नेटवर्क के तार बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से भी जुड़े होने के प्रमाण मिले थे। एनआईए की जांच में सामने आया था कि बिहार की जेल में बंद प्रमोद मिश्रा पूर्वांचल में नक्सली संगठन को पुनर्जीवित करने के लिए सीपीआई (माओवादी) कैडर तथा ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यूएस) का नेतृत्व कर रहा था। कोर कमेटी द्वारा प्रमोद मिश्रा को पूर्वांचल के कई फ्रंटल संगठनों और छात्र विंग को संगठित कर भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने का काम सौंपा गया था। इस मामले में एनआईए द्वारा दर्ज की गई पहली एफआईआर में आरोपी मनीष आजाद और रितेश विद्यार्थी और उनके सहयोगियों विश्वविजय, सीमा आजाद पत्नी विश्वविजय, अमिता शिरीन को नामजद किया गया था। जांच में सामने आया था कि मनीष आजाद, कृपा शंकर, सोनी आजाद, रितेश विद्यार्थी, आकांक्षा आजाद और राजेश आजाद आदि सीपीआई (माओवादी) संगठन को पूर्वांचल में जिंदा करने का प्रयास कर रहे हैं। एनआईए ने भगत सिंह छात्र मोर्चा की बीएचयू से जुड़ी दो छात्राओं आकांक्षा आजाद और सिद्धि से भी पूछताछ की थी। दोनों के कमरे से एक मोबाइल, दो लैपटॉप, पत्रिकाएं और कागजात जब्त किए थे। आकांक्षा आजाद से एनआईए ने लखनऊ में भी पूछताछ की थी। वहीं बिहार पुलिस ने इस संगठन से जुड़ी एक अवैध शस्त्र फैक्ट्री पर छापा मारकर तमाम हथियार बरामद किए थे, जिनका इस्तेमाल यूपी और बिहार में होना था। वहीं बलिया में गिरफ्तार नक्सलियों के तार भी प्रमोद मिश्रा से जुड़े होने की वजह से एनआईए ने एटीएस द्वारा दर्ज मुकदमे को भी टेकओवर कर लिया है।

एक नज़र

गुजरात की तर्ज पर प्रदेश में ठेके पर उठेंगे बस अड्डे, यूपी रोडवेज को मिलेगी करार में तय राशि

लखनऊ। बोर्ड बैठक में रोडवेज ने इस प्रस्ताव पर मुहर भी लगा दी है। रोडवेज का लक्ष्य यही है कि किसी एक व्यक्ति या संस्था को पूरा बस स्टेशन ही कॉन्ट्रैक्ट पर दे दिया जाए, जिससे बार-बार के टेंडर का झंझट खत्म हो जाए। गुजरात की तर्ज पर अब यूपी के बस अड्डे भी ठेके पर उठाए जाएंगे। इन बस अड्डों को व्यक्ति, संस्था आदि ले सकती हैं। इसके बाद बस अड्डे की दुकानों आदि के टेंडर वही कराएंगे, जिसके एवज में रोडवेज को तय धनराशि दी जाएगी। बोर्ड बैठक में रोडवेज ने इस प्रस्ताव पर मुहर भी लगा दी है। रोडवेज का लक्ष्य यही है कि किसी एक व्यक्ति या संस्था को पूरा बस स्टेशन ही कॉन्ट्रैक्ट पर दे दिया जाए, जिससे बार-बार के टेंडर का झंझट खत्म हो जाए। रोडवेज अपने 20 परिक्षेत्रों के 302 बस स्टेशनों पर हजारों यात्रियों को सुविधाएं देने के लिए इस तरह की योजना तैयार कर रहा है। अधिकारी बताते हैं कि एक ही व्यक्ति, संस्था या संगठन को बस स्टेशन किराए पर दिए जाने से यात्रियों को काफी फायदा मिलेगा। अभी तमाम दुकानें किराए पर ही नहीं उठ पाती हैं, जिससे स्टेशन पर यात्रियों को बेहतर खानपान नहीं मिल पाता है। बस अड्डों पर कैंटीनें, स्टॉल्स सालों से खाली पड़े हैं, जिससे रोडवेज को भी लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि रोडवेज के पास जो 300 से अधिक बस स्टेशन हैं, उनमें से 249 अपने स्वामित्व वाले परिसर हैं और 51 किराए में हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए बस स्टेशन पर निगम के पास आमतौर पर शौचालय, बुकिंग कार्यालय, पीने के पानी की सुविधा, समयसारिणी डिस्प्ले, पूछताछ काउंटर, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली, रोशनी, पंखे, सीट रहती हैं, लेकिन खानपान स्टॉल्स किराए पर दी जाती हैं। इतना ही नहीं बस स्टेशनों पर प्रतिदिन 16 से 17 यात्री आते हैं, जो ग्यारह हजार से अधिक बसों से सफर करते हैं।

परिवहन निगम को नुकसान नहीं

बोर्ड बैठक में इस पर फैसला लिया गया है। टेंडर में इसे शामिल कर लिया गया है। व्यक्ति, संगठन, संस्थान आदि बस स्टेशन को एक साथ ठेके पर ले सकते हैं। ऐसा होने से परिवहन निगम का नुकसान नहीं होगा, साथ ही यात्री सुविधाओं में भी बढ़ोतरी हो सकेगी।-मासूम अली सरवर, प्रबंध निदेशक, रोडवेज

स्टेरॉयड की आशंका में धरे गए 15 अभ्यर्थी जांच में मिले पेनकिलर्स

लखनऊ। छावनी स्थित आर्मी मेडिकल कोर (एएमसी) में अग्निवीर भर्ती रैली के दौरान पेनकिलर्स लेकर प्रतिभाग करने वाले 15 अथ्यर्थी पकड़े गए। इन अभ्यर्थियों के स्टेरॉयड लेकर दौड़ लगाने की आशंका में जांच कराई गई, जिसमें पेनकिलर्स का होना पाया गया। गत 16 नवंबर से एएमसी के स्टेडियम में अग्निवीर भर्ती रैली चल रही है। मध्य कमान के जनसम्पर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि 11 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने लिखित परीक्षा पास की, जिनका फिजिकल टेस्ट लखनऊ एएमसी स्टेडियम में हो रहा था। यह बुधवार को समाप्त हुआ। बताया कि फिजिकल टेस्ट में अभ्यर्थी को 16 सौ मीटर की दौड़ पार करनी होती है। इसके बाद नौ फीट की लॉन्ग जम्प, जिगजैग व चिनअप्स करने होते हैं। इससे पास होने पर सीने की चौड़ाई व शरीर की लम्बाई मापी जाती है। ऐसे में दौड़ प्रमुख अंग है, जिसके पास होने पर अभ्यर्थी आगे बढ़ता है। रैली के अंतिम दिन तक करीब 15 अभ्यर्थी ऐसे पाए गए, जिन पर स्टेरॉयड लेकर दौड़ने की आशंका थी। जब उनकी जांच कराई गई तो रक्त में दर्दनाशक दवाओं का होना पाया गया। चूंकि, स्टेरॉयड परफॉर्मेंस बढ़ाने वाले ड्रग्स हैं और रैली में प्रतिबंधित हैं। ऐसे में अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग कर छोड़ दिया गया। जांच में अभ्यर्थियों द्वारा डाइक्लोफिनेक, आईब्रूफेन, बाम, पैरासीटामॉल आदि लिया जाना पाया गया।

काउंसिलिंग कर बताए नुकसान

सेना के अफसरों ने अग्निवीर भर्ती रैली में शामिल होने पहुंचे युवकों को रैली के दौरान स्टेरॉयड से शरीर व कॅरिअर को होने वाले नुकसान के बारे में प्रतिदिन जानकारी दी। उन्हें जागरुक भी किया गया। उन्हें बताया गया कि ऐसा करते पाए जाने पर मुकदमा तक दर्ज कराया जा सकता है।

दिनभर कतार में लगने के बाद भी नहीं मिल रही खाद

लखनऊ। गेहूं की बोआई चल रही है और किसानों को दो-दो बोरी डीएपी खाद के लिए पूरे दिन लाइन में लगना पड़ रहा है। शाम तक खड़े रहने के बाद भी खाद न मिलने पर खाली हाथ लौटना पड़ता है। इससे किसान परेशान हैं। धान की फसल की कटाई के बाद किसान गेहूं की बोआई की तैयारी में लग गए हैं। अच्छे उत्पादन की चाह में किसान डीएपी खाद के लिए भोर से ही इफको केंद्र के बाहर लंबी लाइन लगाने को मजबूर हो रहे हैं। शाम तक कतार में लगे रहने के बावजूद खाद नहीं मिलने से खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

फंदे पर लटकता मिला एलएलबी का छात्र

विधायक के बेटे समेत तीन पर आरोप

संवाददाता

लखनऊ। उत्तरांचल विवि से एलएलबी की पढ़ाई कर रहे लखनऊ के अक्षत शुक्ला का शव मंगलवार रात पीजी में फंदे से लटकता मिला। परिजनों ने अक्षत के साथ पढ़ने वाले एक विधायक पुत्र समेत तीन के खिलाफ तहरीर दी है। उत्तरांचल विवि से एलएलबी की पढ़ाई कर रहे लखनऊ के अक्षत शुक्ला (21) का शव मंगलवार रात पीजी में फंदे से लटकता मिला। जानकारी होने पर परिजन देहरादून पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर वापस लौटे। परिजनों ने अक्षत के साथ पढ़ने वाले एक विधायक पुत्र समेत तीन के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। जांच के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। लखनऊ के छितवापुर स्टेशन रोड निवासी अक्षत शुक्ला उत्तरांचल विवि से एलएलबी 7वें सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहा था। दिवाली से पहले अक्षत लखनऊ आया था। कुछ दिन पहले ही वह वापस लौटा था। वह केहरी गांव में दीपक कुमार के घर पर कमरा किराये में रहता था। एसओ प्रेमनगर पीडी भट्ट के मुताबिक अक्षत की मां मंगलवार शाम को बेटे को फोन कर रही थीं लेकिन फोन नहीं उठा। तब उन्होंने साथी छात्र अर्णव द्विवेदी और चैतन्य को फोन किया। दोनों अक्षत के यहां पहुंचे तो पता चला उसका कमरा अंदर से बंद है। उन्होंने खिड़की से झांककर देखा कि अक्षत का शव फंदे पर लटक रहा था। आरोप है कि पश्चिम उत्तर प्रदेश के एक जिले के विधायक के बेटे व उसके दो साथी अक्षत को परेशान करते थे। विवाद भी हुआ था। तब इन तीनों ने उसको जान से मारने की धमकी दी थी। आशंका है कि बेटे की मौत के पीछे इनका ही हाथ है। इंस्पेक्टर ने बताया कि जो भी आरोप लगाए गए हैं, उनकी तहकीकात की जांची जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। परिजनों के मुताबिक अक्षत जब दिवाली पर घर गया था तो उसने खुद बताया था कि तीनों छात्र उसको परेशान करते हैं। तरह तरह से प्रताड़ित करते हैं। इस पर परिजनों ने उसे पुलिस में शिकायत करने की बात कही थी। अब परिजनों ने तीनों छात्रों पर हत्या का आरोप लगाया है। रेलवे में कार्यरत अक्षत के पिता कमल शुक्ला ने तहरीर दी।

नगर निगम के टैंकर ने बुजुर्ग महिला को रौंदा

संवाददाता

लखनऊ। हादसे के बाद टैंकर चालक गाड़ी लेकर मौके से भाग निकला। मौके पर पहुंची पुलिस महिला को सिविल अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। बाद में परिजनों ने सिविल अस्पताल में हंगामा किया।

हजरतगंज स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के पास बुधवार को नगर निगम के टैंकर की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। हादसे के वक्त महिला की बेटी स्कूटी चला रही थी। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने बताया कि ठाकुरगंज के हुसैनाबाद इलाके में राहिला खान (60) रहती थीं।

बुधवार की दोपहर वह अपनी बेटी के साथ स्कूटी से किसी काम से जा रही थी। हजरतगंज मल्टी लेवल पार्किंग के पास नगर निगम के टैंकर को ओवरटेक करने के दौरान अचानक स्कूटी टैंकर से टकरा गई और स्कूटी के पीछे बैठी राहिला खान टैंकर की पहिया के नीचे आ गई। टैंकर का पहिया उनके सिर पर चढ़ गया। हादसे के बाद टैंकर चालक गाड़ी लेकर मौके से भाग निकला। मौके पर पहुंची पुलिस राहिला को सिविल अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। बाद में परिजनों से सिविल अस्पताल में हंगामा किया।

प्रदेश का सबसे बड़ा औद्योगिक केन्द्र बनेगा लखनऊ क्षेत्र

राजधानी से सटे जिलों को मिलेगा फायदा

संवाददाता

लखनऊ। आने वाले समय में लखनऊ क्षेत्र प्रदेश का सबसे बड़ा औद्योगिक गढ़ बनने जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा फायदा उन्नाव, कानपुर से लेकर लखनऊ से लगे जिलों को मिलेगा। बुधवार को उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण की बैठक में लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण का मास्टरप्लान-2041 बनाने की फाइनल रूपरेखा बन गई। यूपीसीडा के सीईओ मयूर महेश्वरी के निर्देशन में स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड आर्किटेक्टर (एसपीए) के माध्यम से यह प्लान तैयार किया जा रहा है। लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण का उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) में विलय हो चुका है। कामकाज में तेजी लाने के लिए मास्टरप्लान-2041 तैयार किया जा रहा है। इस मास्टर प्लान के सम्बन्ध में लखनऊ के आस-पास के आवासीय,व्यवसायिक और औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जाएगा। साथ ही उन्नाव में औद्योगिक विकास के साथ-साथ संस्थागत विकास के लिए भी मास्टर प्लान तैयार कराया जा रहा है। इसके अंतर्गत लखनऊ-कानपुर के मध्य के क्षेत्रों को सुनियोजित करने की योजना बनाई जा रही है। इस संबंध में यूपीसीडा के सीईओ मयूर महेश्वरी ने बताया कि मास्टरप्लान पूरी तरह जीपीएस आधारित होगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र से गंगा एक्सप्रेस वे और कानपुर-लखनऊ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे निकल रहे हैं। आउटर रिंग रोड मौजूद है। इन तीन जिलों के बीच एयरपोर्ट है। इसे देखते हुए इनके चारों तरफ नए इंडस्ट्रियल कारीडोर विकसित किए जाएंगे।सीईओ मयूर महेश्वरी ने इसकी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री के विशेष सचिव और यूपीसीडा के एसीईओ शशांक त्रिपाठी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्नाव शुक्लागंज विकास प्राधिकरण के समन्वय से काम्प्रेहेंसिव मास्टर प्लान और मोबिलिटी प्लान बनाया जा रहा है। इस बेल्ट में वेयरहाउसिंग और कारगो से जुड़ी इकाइयों के लिए सभी सुविधाओं से लैस उद्योगों के लिए स्पेशल जोन रहेगा।

लखनऊ और उन्नाव के 84 गांवों की बदलेगी किस्मत

लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण का गठन 2005 में किया गया था। इसमें अधिसूचित लखनऊ के 45 और उन्नाव के 39 कुल 84 ग्रामों की विकास यात्रा में प्राधिकरण कभी अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करा पाया। शायद यही कारण रहा कि वर्ष 2021 में इसका यूपीसीडा में विलय कर दिया गया। लखनऊ में इसका क्षेत्र एयरपोर्ट के पीछे के गांव बिजनौर, नटकुर, कुरौनी जैतिखेड़ा से शुरू होकर लखनऊ कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ साथ चलकर उन्नाव के आजाद चौराहा तक 299 वर्ग किलोमीटर तक है। लखनऊ के पास के गांव में आवासीय एवं व्यावसायिक सुविधाओं के युक्त टाउनशिप परियोजनाएँ बड़ी संख्या में आ रही हैं। आईटीबीपी, आपदा प्रबन्धन और फॉरेंसिक साइंस इंस्टिट्यूट के कैंपस इस क्षेत्र में आने के कारण इंफ्ट्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का तेज़ी से विकास हो रहा है। एयरपोर्ट से नज़दीकी भी एक प्रमुख यूएसपी है। इस क्षेत्र में वेयरहाउसिंग के प्रोजेक्ट्स तेज़ी से आ रहे हैं जो पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं बिहार तक की सप्लाई चेन व्यवस्था का अहम हिस्सा बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स पालिसी के अन्तर्गत बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

21 से ज्यादा परियोजनाएं इसी बेल्ट में आ रहीं

नए सिरे से लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण का मास्टर प्लान-2041 तैयार किया जा रहा है। इस प्लान के जरिए लखनऊ, उन्नाव और कानपुर के बीच औद्योगिक बेल्ट का कायाकल्प किया जाएगा। दो एक्सप्रेस वे, रिंग रोड और एयरपोर्ट को देखते हुए विशेष औद्योगिक क्षेत्र बसाए जाएंगे।-मयूर महेश्वरी, सीईओ, यूपीसीडा

सात जगहों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

लखनऊ। यातायात नियम तोड़ने वालों पर अब सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जाएगी। यातायात निदेशालय ने इसके लिए 10.83 लाख रुपये जारी किए हैं। इससे सात जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के साथ ही यातायात विभाग सर्वर वर्कस्टेशन स्थापित करेगा। सीसीटीवी कैमरों को लगवाने के लिए यातायात पुलिस स्थलों का चिह्नांकन कर रही है। एसपी द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के बाद यातायात निदेशालय ने जिले में सात सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए 10 लाख 83 हजार 760 रुपये मंजूर किए हैं। इसमें 4 लाख 13 हजार 313 रुपये सर्वर वर्कस्टेशन स्थापित करने पर खर्च होंगे। जबकि सीसीटीवी कैमरों के लिए 6 लाख 70 हजार 448 रुपए स्वीकृत हुए हैं। एसपी डॉ. इलामारन जी ने बताया कि जिले के लिए 28 सीसीटीवी कैमरे प्रस्तावित हैं। यातायात निदेशालय से सात सीसीटीवी लगवाने के लिए पैसे जारी किए गए हैं। स्थल का चयन किया जा रहा है।

देवउठनी एकादशी आज

तुलसी विवाह के साथ शुरू हो जाएंगे शादी-ब्याह, जानिए पूजा का मुहूर्त और विधि

संवाददाता

लखनऊ। वैदिक ज्योतिष परिषद के अध्यक्ष व महामहोपाध्याय डा. आदित्य पांडेय के अनुसार एकादशी का मुहूर्त है- प्रातः 6.50 से 8.00 बजे तक और शाम को शाम 5.25 से 8.46 बजे तक है। कार्तिक शुक्ल एकादशी बृहस्पतिवार को है, इसे देवउठनी एकादशी भी कहते हैं। मान्यता है कि क्षीर सागर में सोए भगवान विष्णु एकादशी को नींद से जागते हैं। इसी के बाद मांगलिक कामों की शुरुआत होती है। 23 नवंबर को एकादशी से शुभ काम शुरू हो जाएंगे। होटल व वेडिंग इंडस्ट्री से जुड़े लोगों कहना है कि 23 को तो छिटपुट ही विवाह हैं, लेकिन बड़ी लगन 27 नवंबर से शुरू हो रही है। 10 दिन गली-मोहल्ले, पार्क, लॉन, होटल और बैंक्वेट सभी फुल रहेंगे।

सारे होटल-लान और बैंक्वेट फुल

शहर में 100 के करीब थ्री स्टार से फाइव स्टार तक की कैटेगरी के होटल हैं। इनमें पांच सितारा होटलों की संख्या गिनी चुनी है। जबकि अयोध्या रोड पर एक लॉन ऐसा भी है, जहां 14 शादियां एक साथ हो सकती हैं। वहीं कुछ होटल ऐसे हैं, जहां एक दिन में कई शादियां एक साथ हो सकती हैं। दुबग्गा-हरदोई रोड, दुबग्गा जेहटा रोड, दुबग्गा कसमंडी रोड की बात करें यहां हर पांच से छह किलोमीटर की परिधि में लान की संख्या 25-30 के बीच है। इसी तरह माल-मलिहाबाद रोड पर चले जाएं तो यहां भी बड़ी संख्या में लॉन है। इसके अलावा सीतापुर रोड, सुल्तानपुर रोड, एयरपोर्ट के आसपास और कुर्सी रोड, रायबरेली रोड जैसे इलाकों में होटल व लॉन की भरमार है।

सहालग जबरदस्त, एक दिन में 4 से 5 हजार शादियां

होटल कारोबारी व उत्तर प्रदेश होटल एसोसिएशन के श्याम कृष्णानी कहते हैं कि दस से 12 दिन की सहालग है, इसमें शादियां जबरदस्त हैं। वहीं वेडिंग प्लानर अंकुर गर्ग व हामिद हुसैन कहते हैं कि मुस्लिम शादियां तो अक्तूबर से ही शुरू हो गई थीं। एकादशी के बाद से शुरु हुई सहालग में एक दिन में 4 से 5 हजार शादियां कहीं नहीं गईं। यानी दिसंबर में खरमास से पहले 30 हजार से अधिक शादियां अनुमानित हैं।

एकादशी पूजन मुहूर्त जानिए

वैदिक ज्योतिष परिषद के अध्यक्ष व महामहोपाध्याय डा. आदित्य पांडेय के अनुसार एकादशी का मुहूर्त है- प्रातः 6.50 से 8.00 बजे तक और शाम को शाम 5.25 से 8.46 बजे तक है। भगवान को गन्ना, सिंघाड़ा, लड्डू, फल अर्पित किया जाता है, गन्ने का मंडप बनाकर शालिग्राम व तुलसी जी को उसके नीचे रखा जाता है। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल और पंडित धीरेन्द्र पांडेय के मुताबिक नवम्बर में खास मुहूर्त 27, 28,29 को हैं। दिसंबर में यह मुहूर्त 3, 4, 5, 6, 7, 8 ,9,13,14 ,15 तारीखों में हैं।

ऐसे की जाती है पूजा देवउठावनी एकादशी की पूजा

देवउठावनी एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान आदि से निवृत्त होकर भगवान विष्णु जी की पूजा करके व्रत का संकल्प लें। श्री हरि की प्रतिमा या शालिग्राम जी के समक्ष उनके जागने का आह्वान करें। सायं काल में मंदिर में 11 दीये देवी-देवताओं के समक्ष प्रज्ज्वलित करें। यदि संभव हो तो गन्ने का मंडप बनाकर बीच में विष्णु जी की मूर्ति या शालिग्राम जी को रखें। भगवान श्री हरि को गन्ना, सिंघाड़ा, लड्डू, मिष्ठान , फल अर्पित करें। एकादशी की रात्रि में एक घी का दीपक मंदिर में रखें। अगले दिन हरि व्रत का पारण अवश्य करें।

सम्पादकीय

मानवतावादी दृष्टिकोण बदलने की अनूठी पहल

दुनिया की लगभग 85 प्रतिशत जीडीपी और 75 फीसदी ग्लोबल ट्रेड जी-20 देशों के पास है। विश्व की दो तिहाई आबादी भी जी-20 देशों में निवासरत है। भारत के पास नवम्बर 2023 तक इस समूह की अध्यक्षता रहने वाली है और इस दौरान भारत लगातार दुनिया को विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

किसी भी राष्ट्र का उत्थान वहां पर निवासरत लोगों के सामाजिक और आर्थिक विकास से सम्भव है। एक राष्ट्र के बहुआयामी विकास में शिक्षा महती निभाती है। यही वजह है कि जिन देशों की शिक्षा व्यवस्था समृद्ध है, वो देश वैश्विक फ़लक पर अधिक समृद्ध और संपन्न हैं।विगत कुछ वर्षों में भारत ने भी तरक्की के नित नए आयाम स्थापित किए हैं, जिसकी परिणीति यह हुई है कि भारत की पहचान वैश्विक परिदृश्य पर एक मज़बूत और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरी है।आज़ादी के अमृतकाल के दौरान भारत को जी-20 का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना अपने आप में एक सुखद आश्चर्य की अनुभूति करने वाला विषय रहा। जी-20, दुनिया के 20 बड़े देशों का एक अंतर-सरकारी मंच है, जो दुनिया के बड़े भूभाग का प्रतिनिधित्व करता है। दुनिया की लगभग 85 प्रतिशत जीडीपी और 75 फीसदी ग्लोबल ट्रेड जी-20 देशों के पास है। विश्व की दो तिहाई आबादी भी जी-20 देशों में निवासरत है। भारत के पास नवम्बर 2023 तक इस समूह की अध्यक्षता रहने वाली है और इस दौरान भारत लगातार दुनिया को विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

भारत और जी20 सम्मेलन

भारत, लोकतंत्र की जननी है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की जिस अवधारणा को हम सदियों से आत्मसात करके आगे बढ़ रहे हैं। उसी को केंद्र में रखते हुए जी-20 की थीम %एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य% रखा गया है। वर्तमान समय में दुनिया तमाम तरह के संकटों के दौर से गुजर रही है। जलवायु परिवर्तन, विभिन्न देशों में गृह युद्ध की स्थितियों का निर्मित होना और कमज़ोर होती वैश्विक अर्थव्यवस्था इसी का हिस्सा है। शिक्षा का क्षेत्र भी एक तरह के संक्रमण काल से जूझ रहा है। जिसकी वजह से सतत विकास के लक्ष्यों को अर्जित करने में हम पिछड़ रहे हैं। आज दुनिया के सामने भुखमरी एक बड़ी समस्या हो सकती है तो दूसरी तरफ शिक्षा से वंचित बच्चों के आंकड़े हमें शिक्षण नीतियों में बड़े फेरबदल की दिशा में इशारा कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार दुनिया के 260 मिलियन बच्चें स्कूल का मुँह नहीं देख पाते हैं। ऐसे में जरा सोचिए कैसे सतत विकास लक्ष्यों की पूर्ति हो पाएगी? शिक्षा ही है, जो किसी देश के मानव संसाधन को कुशल और उपगोगी बनाती है। ऐसे में जी-20 देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर कैसे बेहतर, न्यायसंगत, प्रासंगिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर सृजित हो सके। इस दिशा में पहल की जा रही है। भारत के नेतृत्व में जी-20 समूह के देश एक एजुकेशन वर्किंग ग्रुप के तहत काम कर रहें हैं, जिसका उद्देश्य बुनियादी साक्षरता और प्रौद्योगिकी के जरिए पठन-पाठन का माकूल वातावरण तैयार करना है। गौरतलब हो कि इसके लिए जी-20 शिक्षा कार्य समूह (एजुकेशन वर्किंग ग्रुप) की स्थापना साल 2018 में अर्जेंटीना की अध्यक्षता में की गई थी। एक मेजबान राष्ट्र के रूप में भारत, पिछली अध्यक्षताओं के तहत शिक्षा के क्षेत्र की समस्याओं के समाधान एवं शिक्षा से संबंधित ऐसे विचार-विमर्शों को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव लगातार कर रहा है जोकि शिक्षा की पूर्ण परिवर्तनकारी क्षमता को साकार होने से रोक रही हैं। इस भावना के अनुरूप कई ऐसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई है। जिससे शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सके। जी-20 के माध्यम से भारत ने दुनिया के सामने शिक्षा का एक नया खाका प्रस्तुत किया है। जो कहीं न कहीं विश्व की सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी है। भारत ने अपनी मेजबानी में शिक्षा कार्य समूह के सामने चार चरणों की एक रूप-रेखा पेश की है। जिसका पहला चरण बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान से सम्बंधित है। इसके दूसरे चरण में तकनीक की मदद से शिक्षा की पहुंच को बढ़ावा देना, तीसरे चरण में भविष्य की जरूरत और कौशल विकास को ध्यान में रखना और चौथे और आखिरी चरण में शोध को बढ़ावा देना और साझेदारी सम्मिलित है। साधारण सी बात है कि अगर दुनिया की 85 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व रखने वाले इन देशों की शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आगामी भविष्य में दृष्टिगोचर हो जाते हैं, तो वैश्विक परिदृश्य व्यापक स्तर पर बदल जाएगा। पर्यावरण के प्रति लोगों की सोच में बदलाव आ जाएगा।

विश्व बंधुत्व और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना

विश्व बंधुत्व और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना प्रगाढ़ होती परिलक्षित होगी और सबसे महत्वपूर्ण बात जो निकलकर आएगी वो ये होगी कि दुनिया के सामने एक ऐसा वैश्विक मॉडल उभरकर सामने आएगा, जहां दूसरी या तीसरी दुनिया जैसे शब्दों के लिए कोई स्थान शेष नहीं होगा। इतना ही नहीं, दुनिया इस तथ्य से भलीभांति अवगत है कि भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत रही है और निः संदेह भारत की यही विरासत पुनः दुनिया के सामने भारतीयता का गौरव-गान कर रही है और हमारा देश 'वसुधैव कुटुम्बकम' के प्रस्तोता के रूप में उभरकर सामने आ रहा है।

भारत की अध्यक्षता में शिक्षा कार्य समूह (एजुकेशन वर्किंग ग्रुप) के अधिदेश में शिक्षार्थियों के सामने आने वाली बाधाओं को पहचानना और समझना शामिल है। इसके अलावा पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई ताकतों को आगे बढ़ाने में मदद करना, विशेषकर शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग और शिक्षण के तरीकों, पाठ्यक्रम, सामग्री, मूल्यांकन और शिक्षाशास्त्र पर महत्वपूर्ण प्रतिबिंब को सक्षम बनाने के लिए बेहतर प्रयास कर सीखने के परिणामों को सुनिश्चित करना और 21 वीं सदी में आवश्यक कौशल, दक्षताओं, मूल्यों और दृष्टिकोण के लिए शिक्षा को अधिक प्रासंगिक बनाना है। साथ ही शिक्षा कैसे मानव कल्याण के काम आ सके। इसके लिए प्रयास किए जाने हैं। जी- 20 ने हरित अर्थव्यवस्था में सतत परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए उल्लेखनीय प्रतिबद्धता को भी व्यक्त किया है। दुनिया ने कई बार वैश्विक मंचों से देखा और सुना है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कितने संजीदा हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी दुनिया को राह दिखाने का काम आगामी समय में भारत के नेतृत्व में जी-20 समूह करेगा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनिया गुटेरेस की मानें तो दुनिया का 80 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन जी-20 के देश करते हैं। ऐसे में 'लाइफ़ मिशन' इस क्षेत्र में कारगर साबित हो सकता है। लाइफ मिशन को कैसे सफ़ल बनाना है? इसके बारे में हमारा देश काफी सज़ग है और दुनिया को इस मामले में शिक्षित करने का माद्दा भारत रखता है। जी-20 के माध्यम से, भारत का लक्ष्य कार्य और समाज के भविष्य के संदर्भ में मूलभूत शिक्षा, आजीवन कौशल अधिग्रहण और उच्च शिक्षा की भूमिका पर विशेष जोर देने के साथ स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई को उत्प्रेरित करना है और जी- 20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता लेते हुए भारत का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल में अंतर को पाटने के लिए जी-20 देशों के साथ मिलकर काम करना है। जिस दिशा में लगातार प्रयास जारी है। जी-20 शिखर सम्मेलन की थीम, 'वसुधैव कुटुंबकम' या एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य, भारत की प्राचीन मान्यता से मेल खाती है। चाहें हम कोरोना काल की बात करें या जलवायु परिवर्तन से निपटने की भारत की प्रतिबद्धता की। भारत लगातार वैश्विक समस्याओं के निराकरण और वांछित लक्ष्यों की प्राप्ति में विशेष योगदान दे रहा है।

कुदरत के कारखाने में कितनी घड़ियां बनती हैं!

अभी स्पेनिश एथलीट बेट्रिज फ्लेमिनी जमीन के अंदर एक गुफा में 500 दिन बिता कर बाहर निकलीं। 1962 में मिशेल सिफर जमीन के नीचे 58 दिन बिताकर निकले थे, पर उन्हें लगा था कि सिर्फ 33 दिन हुए हैं। क्या हमारी देह की घड़ी, अकेली घड़ी है या कुदरत ने कई और घड़ियां तैयार की हैं?

समय एक रहस्य है, जो खुद पर से उतना ही पर्दा उठाता है कि लोगों में उसे समझने की जिज्ञासा बनी रहे। समय का यह आंशिक रहस्योद्घाटन अभी कुछ महीने पहले हुआ, जब स्पेन की एक एथलीट बेट्रिज फ्लेमिनी जमीन के अंदर एक गुफा में 500 दिन बिताकर बाहर निकलीं। जमीन के नीचे इतना वक्त शायद ही आज तक किसी ने गुजारा हो। फ्लेमिनी बताती हैं कि 65वां दिन आते-आते, उन्हें समय का कोई अंदाजा नहीं रह गया था। लेकिन क्या वह यकीनी तौर पर कह सकती हैं कि वह 65वां ही दिन था? इससे पहले 1962 में फ्रांस के मिशेल सिफर के साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ था, जब उन्हें लगा कि वह 33 दिनों तक जमीन से काफी गहराई में रहे, जबकि असल में, वह 58 दिन बाद बाहर निकले थे। एक नितांत अकेला शख्स वक्त को कैसे भांप सकता है, खासकर जिस दुनिया से वह घिरा रहता है, जब उससे कटा हुआ हो? एकबारगी तो यही लगता

है कि इसमें दिक्कत नहीं आनी चाहिए, क्योंकि जैविक लय, जिसे कि जीवन का केंद्र भी माना जाता है, शरीर के रोम- रोम को संकेत देती रहती है। यह न केवल हमारे जागने- सोने के चक्र को, बल्कि, शरीर के ताप, हार्मोन, हृदय की धड़कनों इत्यादि सभी पर काबू रखती है। और, यह जो लय होती है, वह कई तरह से असर दिखाती है। मिसाल के लिए, अस्थमा रात में ज्यादा गंभीर होता है, जबकि हृदय से जुड़ी दिक्कतें अल-सुबह ज्यादा सामने आती हैं। शिफ्ट में जो लोग काम करते हैं, वे भी अपने परिवेश से अलग हो जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक उनमें कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। यह जैविक लय हमारे संपर्क में आने वाली दूसरी प्रजातियों से भी प्रभावित होती है।

जीन बनाते हैं जैविक घड़ी

पृथ्वी, चंद्रमा व सूर्य के घूमने से एक पर्यावरणीय चक्र पैदा होता है, जो जैविक घड़ियों की चाल को प्रभावित करता है। यह जैविक घड़ी हर मनुष्य समेत सभी प्राणियों के भीतर होती है। और, जब पर्यावरण से कोई संकेत न मिल रहा हो, तब यह जैविक घड़ी अपनी तरह से काम करती है। रात और दिन के बदलावों से शरीर में सर्केडियन रिदम का एक चक्र चलता है, जो हमारे शरीर में होने वाले मानसिक, व्यवहारिक और शारीरिक परिवर्तनों को प्रभावित करता है। प्रकाश और अंधेरे की प्रतिक्रिया के रूप में यह रिदम चौबीस घंटे का चक्र चलाती है। जैसे सामान्य घड़ियां सेल से चलती हैं, यह सर्केडियन घड़ी शरीर के भीतर जीनों के बीच जो संवाद चलता है, उससे चलती हैं। जीनों के बीच संवाद शरीर की कोशिकाओं में दोलन पैदा करता है, और इस दोलन से सर्केडियन घड़ी को ऊर्जा मिलती है। सर्कैडियन क्लॉक अपने संकेतों को उस अंधेरे और प्रकाश से समझती है, जिसके संपर्क में हम आते हैं। हमारे शरीर की सर्कैडियन घड़ी हार्मोन के स्तर और शरीर के तापमान को नियंत्रित करके हमारे शरीर की अन्य घड़ियों के साथ सहयोग करती है। ऐसी कोई एकल सर्वव्यापी सर्केडियन घड़ी नहीं है, जो पूरे जीवन का व्यवस्थित करती हो, क्योंकि घड़ी के जीन विभिन्न प्रजातियों में अलग-अलग होते हैं। लेकिन बुनियादी सिद्धांत समान ही रहता है कि जीन दोलन के जरिये खुद को अभिव्यक्त करते हैं। इस संबंध में अब किए गए सभी जैविक अध्ययनों में यह बात सच साबित हुई है। मनुष्य, पशु, पक्षी, पौधे, कवक और यहां तक कि प्रकाश संश्लेषण से ऊर्जा प्राप्त करने वाले सायनो जीवाणु में भी यही चक्र मिलता है। जीवों और उनके पर्यावरण के साथ संबंधों का अध्ययन मुख्यत- प्रकाश, भोजन और तापमान को आधार बनाकर किया जाता है। सर्केडियन घड़ी को जेट लैग के उदाहरण से समझा जा सकता है। लंबी हवाई यात्रा के बाद हम पर रहने वाले उसके असर को जेट लैग कहते हैं। यह किसी व्यक्ति की आंतरिक लय के उस समय-क्षेत्र से विचलन को दर्शाता है, जिसमें वह इस वक्त है। अमूमन पर्यावरणीय संकेतों को समझने का सबसे कारगर जरिया प्रकाश को माना जाता है। दिन का प्रकाश जैविक घड़ी पर कोई असर नहीं डालता। लेकिन सूर्योदय के ठीक पहले का अंधेरा इसे आगे बढ़ाता है। होमो सेपियंस की आंतरिक सर्केडियन घड़ी 24.2 घंटों में एक चक्कर पूरा करती है। इसीलिए हमें पूर्व के छोटे दिनों की तुलना में पश्चिम के बड़े दिनों के साथ तालमेल बैठाना आसान लगता है। कई एथलीट और शोधकर्ता खुद को सबसे अलग-थलग करते हुए कुछ दिनों के लिए जमीन के नीचे गहराई में रखते हैं। इससे वह, सतह पर चल रहे समय चक्र से खुद को अलग कर लेते हैं। यही वजह है कि, जमीन के नीचे उन्हें सतह की तुलना में कम दिन अनुभव होते हैं।

दूसरे समय, दूसरी घड़ियां

सर्केडियन घड़ी प्रकृति में मौजूद एकमात्र घड़ी नहीं होती। कई जैविक प्रक्रियाएं मौसमी होती हैं। मिसाल के लिए, कई पक्षियों व कीड़ों का अप्रवासन, कई पशुओं की शीत निद्रा व प्रजनन का तरीका इत्यादि। ये जैविक घड़ियां कई कारकों से निर्धारित होती हैं और चक्रीय क्रम में काम करती हैं। लेकिन, इन घड़ियों की प्रक्रियाएं अभी पूरी तरह समझी नहीं जा सकी हैं। समुद्री प्रजातियों में ये जैविक घड़ियां कैसे काम करती हैं, इस पर भी फिलहाल निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। इसकी वजह यह है कि समुद्र के तापमान का जो पैटर्न होता है, वह काफी जटिल होता है। समुद्री जीव दिन और रात के सौर चक्र के सीधे संपर्क में आते हैं। ज्वार-भाटे की स्थितियां भी समुद्री पर्यावरण को प्रभावित करती हैं। समुद्री चक्रों से जुड़ी जैविक लय को विभिन्न समुद्री प्रजातियों में देखा जा सकता है। मिसाल के लिए, कई मूंगों में प्रजनन का एक पैटर्न होता है। ये साल में केवल एक बार बहुत कम समय के लिए अंडे देते हैं। कुछ समुद्री जीव रात के सबसे अंधेरे समय में प्रजनन शुरू करने के लिए झुंडों में निकलते हैं। वर्ष 2020 में वैज्ञानिकों ने एक दिलचस्प खुलासा किया कि जैविक लय केवल समुद्र के ऊपरी हिस्सों तक सीमित नहीं है। वैज्ञानिकों ने समुद्र में 1,700 मीटर की गहराई के चरम वातावरण में पाए जाने वाले जीवों में प्रकृति से तालमेल बैठाने का पैटर्न दिखा है। इन तमाम घड़ियों की खोज अब भी जारी है। जितना हम जानते जाएंगे, शायद यह रहस्य और चुंबकीय होता जाएगा।

क्या ये किसी व्यक्ति का नाम? पुराणों में बताई गई इनकी संख्या

वेदव्यास नाम के लोगों की संख्या के पीछे कारण यह है कि वेदव्यास, दरअसल, किसी व्यक्ति का नाम है ही नहीं! 'वेदव्यास',वास्तव में एक पद अथवा उपाधि है। यदि पूछा जाए कि महाभारत और पुराणों की रचना किसने की तो स्पष्ट तौर पर इसका उत्तर होगा, वेदव्यास ने। परंतु यदि कोई यह पूछ ले कि कौन-से वेदव्यास ने, यानी पहले, दूसरे, तीसरे या पांचवें या आठवें वेदव्यास ने? तो ऐसे में यह शंका उठना स्वाभाविक है कि कुल वेदव्यास हैं कितने? विष्णु पुराण के अनुसार अब तक वेदव्यास रह चुके लोगों की की संख्या दो, चार, छह या आठ नहीं, अपितु अट्ठाईस है! एक ही नाम के इतने सारे व्यक्ति कैसे हो सकते हैं, वह भी तब, जबकि नाम हो वेदव्यास, जिनका नाम संसार आदर से लेता है। उनकी रचनाएं युगों-युगों से हिंदू धर्म की चेतना को ऊर्जान्वित करती आई हैं! वेदव्यास, दरअसल, किसी व्यक्ति का नाम है ही नहीं! 'वेदव्यास',वास्तव में एक पद अथवा उपाधि है। वेदव्यास के पद पर नियुक्त होने वाला व्यक्ति वेदव्यास कहलाता है, हालांकि उसका वास्तविक नाम कुछ और होता है। वेदव्यास के पद पर बैठने वाले व्यक्ति का कार्य अत्यंत विशिष्ट होता है और उस कार्य के संपन्न हो जाने के उपरांत वह व्यक्ति वेदव्यास के पद से हट जाता है। फिर अगले कालखंड में उस पद पर किसी अन्य व्यक्ति की नियुक्ति होती है। तब वह

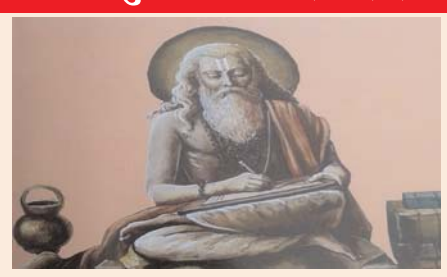

व्यक्ति अगला 'वेदव्यास' बनता है। अनेक युगों से वेदव्यास पद पर बैठने वाले लोग बदलते रहे हैं और इस तरह यह संख्या बढ़ते-बढ़ते आज अट्ठाईस तक जा पहुंची है। वर्तमान समय के वेदव्यास इसी दीघर्कालिक व्यास-परंपरा के 28वें सदस्य हैं। व्यास पद पर बैठने वाले व्यक्ति का वास्तविक नाम कुछ और होता है। वर्तमान वेदव्यास का असली नाम कृष्ण द्वैपायन है। कहते हैं, द्वापर युग में महर्षि पराशर से निषाद-कन्या सत्यवती ने एक पुत्र को जन्म दिया। चूंकि उस बालक का जन्म एक द्वीप पर पैदा हुआ था और जन्म के समय उसका रंग सांवला (कृष्ण-वर्ण) था तो उसका नाम हुआ, कृष्ण द्वैपायन। यही बालक कृष्ण द्वैपायन, आगे चलकर 28वां वेदव्यास कहलाया। वेदव्यास के पद में कौन-सी ऐसी विशेषता है कि इस पद पर अलग-अलग लोगों की नियुक्ति होती है? विष्णु पुराण के अनुसार, मनुष्य का बल और तेज इतना अल्प है कि उसके लिए वेदों को समझना संभव नहीं है। इसलिए प्रत्येक द्वापर युग में भगवान विष्णु स्वयं वेदव्यास के रूप में अंश अवतार लेते हैं और समस्त प्राणियों के हित के लिए वेदों का विभाजन करते हैं। भगवान, जिस रूप में इस बृहत कार्य को संपन्न करते हैं, उसी रूप का नाम वेदव्यास है।

द्रोण-पुत्र अश्वत्थामा होंगे 29वें वेदव्यास

सत, त्रेता, द्वापर और कलि ये चार युग हैं। ऐसे इकहत्तर चतुर्युग मिलने पर एक मन्वंतर बनता है। प्रत्येक मन्वंतर में 71 सत्युग, 71 त्रेता, 71 द्वापर और 71 कलियुग होते हैं। प्रत्येक द्वापर युग में वेदव्यास का जन्म होता है। एक मन्वंतर में 71 बार वेदव्यास की नियुक्ति होती है। वर्तमान मन्वंतर में 28 वेदव्यास हो चुके हैं और 43 वेदव्यास का जन्म होना अभी शेष है! कृष्ण द्वैपायन से पहले हुए 27 वेदव्यास कौन थे? विष्णु पुराण में सभी 28 वेदव्यासों के नाम मिलते हैं जो निम्न प्रकार हैं- ब्रह्मा, प्रजापति, शुक्राचार्य, बृहस्पति, सूर्य, मृत्यु, इंद्र, वसिष्ठ, सारस्वत, त्रिधामा, त्रिशिख, भरद्वाज, अंतरिक्ष, वर्णी, त्रय्यारुण, धनंजय, ऋक्षुंजय, जय, भरद्वाज, गौतम, हर्यात्मा, वाजश्रवा, तृणबिंदु, ऋक्ष, वाल्मीकि, शक्ति, पराशर, जातुकर्ण, और अंत में कृष्ण द्वैपायन। इसी शृंखला में विष्णु पुराण कहता है कि अगले द्वापर युग के वेदव्यास, यानी 29वें वेदव्यास द्रोण-पुत्र अश्वत्थामा होंगे।

आपको चमत्कारों की जरूरत नहीं है, दुनिया को वैसे ही समझने की जरूरत है जैसी यह है

हमारे पास छोटे-छोटे रोबोटों से बनी एक आत्मा है, कोई भगवान नहीं है। इसे तार्किक ढंग से समझा जा सकता है। लेकिन लोग चाहते हैं कि स्वयं जीवन ही वास्तविक जादू हो। मैं लोगों को दिखाना चाहता हूं कि जीवन का जादू किस प्रकार विकसित हो रहा है। आपको चमत्कारों की जरूरत नहीं है। आपको इस दुनिया को वैसे ही समझने की जरूरत है, जैसी कि यह वास्तव में है। आपका मस्तिष्क या कहें तो पूरा शरीर कोशिकाओं से बना है। कोशिकाओं को खुद को जीवित रखने के लिए ऊर्जा की आपूर्ति बनाए रखनी होती है। इसमें एक मेटाबॉलिज्म है। ये छोटे-छोटे रोबोट हैं। उनके पास खरबों मोटर प्रोटीन्स हैं। वे मस्तिष्क के इन छोटे-छोटे राजमार्गों पर चीजों को लेकर चलते हैं। मोटर प्रोटीन्स या राइबोजोम्स जीवित नहीं होते। लेकिन इन मॉलक्यूलर मशीनों के बिना जीवन का अस्तित्व नहीं। हमारे पास छोटे-छोटे रोबोटों से बनी एक आत्मा है, कोई भगवान नहीं है। इसे तार्किक ढंग से समझा जा सकता है। लेकिन लोग चाहते हैं कि स्वयं जीवन ही वास्तविक जादू हो। मैं लोगों को दिखाना चाहता हूं कि जीवन का जादू किस प्रकार विकसित हो रहा है। आपको चमत्कारों की जरूरत नहीं है। आपको इस दुनिया को वैसे ही समझने की जरूरत है, जैसी कि यह वास्तव में है। हम भाग्यशाली हैं कि जीवित हैं! लोग जादुई विकल्पों को छोड़ने के बारे में चिंता महसूस करते हैं। पर न समझ में आने वाली चीजों के बारे में मैं जितना समझता गया, मेरी चिंता उतनी ही कम होती गई। किसी भी चीज से अद्भुत वह मेरा भगवान है, जिसकी मैं कल्पना कर सकता हूं, लेकिन वह जादुई नहीं है। मानव मन के भीतर नियंत्रण का सारा काम भावनाओं के जरिये होता है। आपके लैपटॉप में एक ऑपरेटिंग सिस्टम होता है। उस अर्थ में हमारे मस्तिष्क में कोई ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं है, सब भावनाओं की उथल-पुथल है। खुशी की बात है कि हमने यह सीख लिया है कि उन भावनाओं का कैसे उपयोग किया जाए। जब आप गुस्से में होते हैं, तो एक तरह के शब्द का उपयोग करते हैं। जब आप खुश होते हैं, तो दूसरे तरह से शब्दों का उपयोग करते हैं। यह सब भावनाओं से नियंत्रित होता है। समाज भरोसे पर निर्भर है। पर अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के चलते विश्वास गंभीर रूप से खतरे में है। एआई समुदाय में बहुत लोग हैं, जो संभावनाओं को देखते हैं, पर जोखिम और जिम्मेदारी के बारे में नहीं सोचते। मैं उनसे कहूंगा कि रुकिए, आसानी से नकल तैयार करने वाला उपकरण बनाना अच्छी बात नहीं है, यह लोगों को इस तरह बदलेगा कि उनका भरोसा खत्म हो जाएगा।

अवसादग्रस्त लोगों को दिखानी होगी सही राह

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2023 की थीम है 'क्रिएटिंग होप थ्रू एक्शन'। इस थीम का उद्देश्य अपने काम के जरिये लोगों के बीच उम्मीद पैदा करना है। दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग

आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2023 की थीम है 'क्रिएटिंग होप थ्रू एक्शन'। इस थीम का उद्देश्य अपने काम के जरिये लोगों के बीच उम्मीद पैदा करना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। कोरोना काल में लोगों में हताशा और निराशा ज्यादा बढ़ी है, जिससे आत्महत्याओं का प्रतिशत भी लगातार बढ़ रहा है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2021 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर 'भारत में आकस्मिक मौतें एवं आत्महत्याएं-2021' रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक 2021 में देश में 164033 लोगों ने आत्महत्या की। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। इस रिपोर्ट से साफ है कि कोरोना के कारण आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव, पारिवारिक क्लेश, रिश्तों में टूटन तथा बीमारी से परेशानी सहित कई अन्य कारणों के चलते देश में 2021 में आत्महत्याएं 2020 के मुकाबले करीब 7.2 फीसदी बढ़ गई। 2020 में आत्महत्या के मामलों की संख्या 153052 दर्ज हुई थी। मनोचिकित्सकों के मुताबिक इंसान को कोरोना ने शारीरिक रूप से जितना बीमार किया, उससे कहीं ज्यादा मानसिक तनाव दिया है। छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता। मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत कार्यक्रम का किया गया आयोजन

❖ मतदाता जागरुकता से संबंधित सेल्फी प्वाइंट रहा आकर्षण का केन्द्र।
❖ भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित हुआ है: अशोक कुमार रावत।
❖ सरकार के विकास परक कार्यों का असर जमीन पर स्पष्ट रुप से दिखाई दे रहा है:-अलका अर्कवंशी

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। योजनाओं के संतृप्तीकरण के लिए आउटरीच गतिविधियों हेतु 26 जनवरी 2024 तक चलने वाली विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत आज सण्डीला विकास खण्ड के ग्राम मल्हेरा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रधानमंत्री का संदेश सुनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय सांसद मिश्रिख अशोक कुमार रावत एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय विधायक सण्डीला श्रीमती अलका अर्कवंशी की गरिमामयी उपस्थिति रही। माननीय सांसद ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित हुआ है। देश का सम्मान विश्व पटल पर बढ़ा है। माननीय विधायक सण्डीला अलका अर्कवंशी ने कहा कि सरकार के विकास परक कार्यों का असर जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी में भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न जन कल्याणकारी विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। स्टालों पर लोगों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी। बैंक के स्टॉल पर ईकेवाईसी का कार्य कराया गया। कृषि विभाग के माध्यम से लोगों को जैविक एवं गौ आधारित खेती को लेकर जागरूक किया गया। सहकारिता विभाग द्वारा किसानों को नैनो यूरिया के बारे में जानकारी दी गयी। पूर्ति विभाग द्वारा उज्ज्वला योजना के नए कनेक्शनों के लिए पंजीकरण कराया गया। कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए मतदाता जागरूकता से संबंधित सेल्फी प्वाइंट लोगों के मध्य आकर्षण का केन्द्र बना रहा। बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी फोटो खिंचवाई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों द्वारा आमजन के साथ अपने विचार साझा किए गए। ग्राम मल्हेरा में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रभातफेरी निकाली गयी। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सण्डीला तान्या सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख कुंवर वीरेन्द्र सिंह सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

आज से घर- घर खोजें जायेंगे जाएंगे क्षय रोगी

जनपद में पाँच दिसंबर तक चलेगा एसीएफ अभियान

रोग नियन्त्रण

10.17 लाख आबादी को किया जाएगा आच्छादित

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। क्षय(टीबी) रोगियों की पहचान के लिए बृहस्पतिवार यानि 23 नवंबर से पाँच दिसम्बर तक सक्रिय क्षय रोगी खोज(एसीएफ) अभियान चलाया जाएगा । यह अभियान राष्ट्रीय क्षय(टीबी) उन्मूलन कार्यक्रम(एनटीईपी) के तहत चलेगा । एसीएफ के तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा संभावित क्षय रोगियों की पहचान की जाएगी तत्पश्चात इन संभावित क्षय रोगियों की टीबी की जांच की जाएगी और टीबी की पुष्टि होने पर उनका इलाज शुरू किया जाएगा। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ नौमान उल्ला ने बताया कि एसीएफ अनाथालय, वृद्धाश्रम, नारी निकेतन, ईंट भट्टे, निर्माणाधीन प्रोजेक्ट,फल मंडी, सब्जी मंडी, क्रेशर, खदानों, बाल संरक्षण गृह, लेबर मार्केट, नवोदय विद्यालय आदि में भी चलाया जाएगा। जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि कुल आबादी की 20 फीसद आबादी को आच्छादित करते हुए शहरी एवं ग्रामीण बस्ती तथा हाई रिस्क क्षेत्र में यह अभियान चलेगा अर्थात जनपद की कुल आबादी पचास लाख है , इसका 20 फीसद यानि करीब 10 लाख की आबादी में एसीएफ चलेगा। जिसके लिए माइक्रोप्लान तैयार कर लिया गया है। एसीएफ में 343 टीमें लगाई गयी हैं इन टीमों का सुपरविजन 72 सुपरवाइजर करेंगे और हर टीम में आशा, आंगनबाड़ीकार्यकर्ता एवं कम्युनिटी वालंटियर रहेंगे। उन्होंने बताया एसीएफ साल 2017 में शुरू हुआ था। यह साल में दो बार चलाया जाता है। इस साल मार्च में यह अभियान चला था जिसमें 149 लोगों में टीबी की पुष्टि हुई थी तथा इनका टीबी का इलाज शुरू हुआ। वर्तमान में सभी 149 टीबी रोगियों का इलाज पूरा हो चुका है। जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में जनपद में 10272 टीबी रोगी हैं जिनमें 8904 पल्मोनरी और 1368 एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी के मरीज हैं। प्रधानमंत्री ने साल 2025 तक देश से क्षय उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। इस क्रम में एसीएफ महत्वपूर्ण गतिविधि है जिसके माध्यम से अधिक से अधिक लक्षित आबादी तक पहुंचकर क्षय रोगियों को चिन्हित करने का प्रयास करेंगे जिससे कि उनका टीबी का इलाज शुरू किया जाये।

एक नज़र

थाना नवाबगंज पुलिस द्वारा अवैध कच्ची शराब के विरूद्ध कार्यवाही, 10 लीटर अवैध कच्ची शराब, , यूरिया व शराब बनाने के उपकरण बरामद,01 गिरफ्तार

गोंडा। गोंडा के थाना कोतवाली नवाबगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अपने थाना क्षेत्र के ग्राम चकिया मौजा एकडंगा में दबिश देकर रामफेर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 ली0 अवैध कच्ची शराब, यूरिया व नौसादर बरामद किया गया। गिरफ्तार रामफेर के विरूद्ध थाना नवाबगंज में सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी।

हेल्थ एटीएम का बस नाम, नहीं आ रहे मरीजों के किसी काम

शाहाबाद, हरदोई। प्रदेश सरकार के दो मंत्रियों ने जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए अपनी निधि से अपने-अपने क्षेत्र में हेल्थ एटीएम स्थापित कराए थे। लेकिन स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी ये हेल्थ एटीएम लोगों के काम नहीं आ सके। कहीं हेल्थ एटीएम खराब हैं तो कहीं ऑपरेटर के बिना संचालन बंद पड़ा हुआ है। आमजन को स्वास्थ्य संबंधी 22 प्रकार की जांचें निशुल्क उपलब्ध कराने के लिए हेल्थ एटीएम स्थापित करने की पहल की गई थी। प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री व शाहाबाद विधायक रजनी तिवारी ने अपने क्षेत्र के सीएचसी शाहाबाद पर हेल्थ एटीएम लगवाने के लिए उन्होंने अपनी निधि से 6 लाख रूपये दिए थे। उनकी निधि से 29 मई 2023 को 6 लाख रूपये सीएमओ कार्यालय को भेज दिए गए थे। लेकिन हेल्थ एटीएम खरीदा नहीं गया था। जिलाधिकारी के प्रयासों के बाद खरीद हुई। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने अपने पति उपेंद्र तिवारी की पुण्य तिथि पर 29 अक्टूबर को शाहाबाद की बड़ी फील्ड में विशाल कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी द्वारा हेल्थ एटीएम का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने हेल्थ एटीएम से अपनी जांच कराई थी। लेकिन तब से अभी तक सीएचसी पर हेल्थ एटीएम मशीन से किसी भी मरीज की जांच नहीं की गई।

आबकारी मंत्री की निधि से लगा जिला महिला अस्पताल में हेल्थ एटीएम बेकाम

हरदोई। प्रदेश सरकार में आबकारी मंत्री व सदर विधायक नितिन अग्रवाल ने भी अपनी निधि से 6 लाख रूपये सीएमओ को भेजकर जिला महिला अस्पताल में हेल्थ एटीएम स्थापित कराया। जिसका लोकार्पण 18 नवंबर 2023 को आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल द्वारा फीता काट कर किया गया। वहीं, दोनों हेल्थ एटीएम मशीनों को लगे काफी समय हो गया है, लेकिन जनता को इसका लाभ नहीं मिल सका। दरअसल हेल्थ एटीएम से जांच करने की प्रक्रिया इतनी जटिल है कि आमजन के लिए ये संभव नहीं है। पूर्व में इसके संचालन के लिए ऑपरेटर की तैनाती की भी बात स्वास्थ्य विभाग ने रखी थी। इसके बाद भी आज तक कहीं भी ऑपरेटर की तैनाती नहीं हो सकी। हालांकि लभगभ 6-6 लाख रुपये से दोनों हेल्थ एटीएम मशीनों की स्थापना की गई थी।

बीपी, सुगर समेत अन्य 22 जांच थी शामिल

हेल्थ एटीएम के माध्यम से बीपी, सुगर, ऑक्सीजन स्तर, ओबीसिटी, हीमोग्लोबिन समेत अन्य 22 प्रकार की जांचें होनी थीं। इन जांचों के लिए आमतौर पर एक निजी पैथोलॉजी पर 500 से 700 रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। लेकिन स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी के चलते मरीजों की जेब पर ये बोझ अब भी पड़ रहा है।

एसएमडी महाविद्यालय में क्षेत्र पंचायत सदस्यों का हुआ प्रशिक्षण

कछौना, हरदोई। कस्बे के एसएमडी पटेल महाविद्यालय में क्षेत्र पंचायत सदस्यों का प्रशिक्षण व में क्षेत्र पंचायत को क्षेत्र के विकास की हम कड़ी जनप्रतिनिधियों ने बताया। वह प्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र का विकास करते हैं। जनप्रतिनिधि गण विधायक अलका अर्कवंशी, विधायक रामपाल वर्मा, सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल, नगर प्रमुख राधा रमण शुक्ला उर्फ पंकज, जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बर ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला, उन्होंने बताया देश पीएम मोदी जी के नेतृत्व में विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों को मिल रहा है। बिचौलिए दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा युवा नेता संचित अग्रवाल, भाजपा उपाध्यक्ष सिद्धपाल सिंह, मंडल अध्यक्ष नवीन पटेल, महामंत्री शिवम मिश्रा सहित भाजपा पदाधिकारी व क्षेत्र पंचायत गण मौजूद रहे।

2 सौ 10 ग्राम अफीम के साथ तीन युवक गिरफ्तार

संवाददाता

पिहानी, हरदोई। कोतवाली पिहानी पुलिस ने मगंलवार को वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर बाइक सवार तीन युवकों को 2 सौ 10 ग्राम अफीम के साथ करावां तिराहे से गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक धर्मदास सिद्धार्थ ने बताया कि मगंलवार को उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि तीन युवक बाइक से अफीम लेकर करावां तिराहे पर पहुंच रहे हैं। इस पर कोतवाल पुलिस टीम के साथ बताए गए स्थान पर पहुंचे। तभी एक बाइक पर सवार तीन युवक आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों युवकों पकड़ लिया। तीनों युवकों के कब्जे से 2 सौ 10 ग्राम अफीम बरामद हुई है। पकड़े गए युवकों ने अपने नाम गुरनाम सिंह पुत्र सतनाम सिंह निवासी करावां फॉर्म, बलजिंदर पुत्र सुखदेव निवासी करावां व सज्जाद अली पुत्र शब्बीर निवासी अंगने पुरवा करावां थाना मंझिला जनपद हरदोई बताया है। युवकों ने बताया कि वह अफीम लाकर क्षेत्र में बेचते हैं। तीनों युवकों के विरुद्ध मादक पदार्थों की तस्करी की धारा में प्राथमिकी लिखी गई। हालांकि पिहानी पुलिस स्थानीय स्तर पर आरोपितों से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

क्षेत्र में बने राजकीय नलकूप अधिकांश बन्द नालियां टूटी-फूटी

जन समस्या

राजकीय नलकूप ऑपरेटर द्वारा किसानों से मनमानी धन उगाही

द अचीवर टाइम्स। रजनीश कुमार

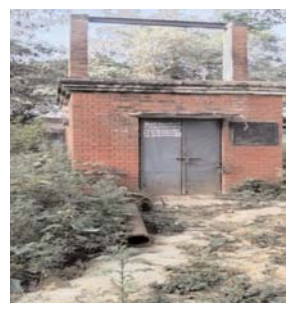

बीकेटी लखनऊ। बक्शी का तालाब क्षेत्र के अंतर्गत बिगड़े राजकीय नलकूप अपनी बदहाली के आंसू रो रहे हैं। राजकीय नलकूप की बनी नालियां कई वर्षों से टूटी-फटी पड़ी है तथा जगह-जगह लीकेज होने के कारण किसानों को भरपूर लाभ मिलने से वंचित रह जाते हैं। अन्य कर्मियों के चलते राजकीय नल को अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। एक जानकारी के अनुसार बक्शी का तालाब क्षेत्र में लगभग 84 राजकीय नलकूप हैं। बेहड़ा चक्की, किशनपुर, महोना, परसहिया, उसरना, शिवपुरी, सिंघामऊ, जमखानवा, नगर चौगवा तथा अन्य जगहों पर सरकार द्वारा किसानों को पानी की सुविधा के लिए नलकूप बनाए गए थे जिनमें से अब सिर्फ नाम मात्र के ही नलकूप रह गए। राजकीय नलकूप परसहिया की नालिया टूटी-फूटी हैं। लूप नंबर 1 से नंबर 10 तक सभी नालिया बंद पड़ी है। जिससे किसानों को इस नलकूप से पानी नहीं मिल रहा है। इस नलकूप में दस लूप हैं। केवल एक से दो नंबर तक ही चलती बाकी हौज बंद पड़ी। पानी के अभाव से किसने की रवि की फसल सत्यानाश हो रहा है। ऐसे नलकूपों का क्या फायदा जिससे किसान अपनी खेतों की सिंचाई न कर सके। इसी क्रम में किशनपुर राजकीय नलकूप का हौज जगह-जगह लीकेज करता है जिससे आधा अधूरा पानी ही किसानों को मिलता है। जिससे एक खेत की सिंचाई में घंटा लग जाते हैं। महोना के केसर मऊ चौराहे के पास बने राजकीय नल को लगभग 10 वर्षों से ठप है जिससे आसपास के किसानों को अत्याधिक दूरी से पानी को लाकर अपने खेतों की सिंचाई हैं। बक्शी का तालाब क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने बताया की नलकूप के संचालक को से सिंचाई का पैसा वसूल करते हैं। यदि कोई किसान पैसा देने में आनाकानी करते हैं तो उनको पानी नहीं मिल पाता आए दिन बहाने बाजी करके नलकूप चालक चले जाते हैं। उनको पानी लेने के लिए ऑपरेटर और ऑपरेटर के हितेशियों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। पानी के अभाव में या तो किसने की फसल सूख जाती है या तो बुवाई ही नहीं कर पाते हैं। किसी तरह अपने खेतों में रवि की फसल बुवाई तो कर लेते हैं परंतु पानी के अभाव में उनकी फसल चौपट हो जाती हैं। जबकि सरकार ने नहर और राजकीय नलकूप की सिंचाई मुक्त रखी है। जिससे किसानों को सिंचाई के नाम पर एक पैसा नहीं देना पड़ता है जबकि राजकीय नलकूप चालक किसानों से मनमानी पैसा वसूल करने में चूक नहीं करते हैं। जबकि नलकूप के अवर अभियंता यह जानते हुए इस और बेखबर है। राजकीय नलकूप के अवर अभियंता से जानकारी हेतु फोन लगाया गया तो उनका मोबाइल कवरेज क्षेत्र से बाहर रहा।

थाना रोजा पुलिस द्वारा एक शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

थाना रोजा पुलिस द्वारा एक शातिर अभियुक्त को एक आदद अवैध तमंचा तमंचा 315 बोर ब एक आदत जिंदा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। थाना रोजा पुलिस द्वारा एक शातिर अभियुक्त को एक आदत अवैध तमंचा 315 बर एक आदत जिंदा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर अशोक कुमार मीणा के कुशल निर्देशन पुलिस अधीक्षक नगर सुधीर जायसवाल क्षेत्र अधिकारी सदर अमित चौरसिया के कुशल पर्यवेक्षण में जलाई जा रहे अवैध शस्त्र रोकथाम हेतु सघन अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना रोजा राजीव कुमार की पुलिस टीम द्वारा जगह-जगह छापेमारी कर अपराध की दुनिया में सक्रिय अभियुक्त पवन पुत्र अर्जुन लाल निवासी फतेहपुर चुंगी थाना रामचंद्र मिशन उमरकारी 25 वर्ष को बलिया बाग किराए से एक आदत अवैध तमंचा 315 बर बाय एक आदर्श जिंदा का दोस्त 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया उपरोक्त अभियुक्त के पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 743 पब्लिक 2023 धारा 3/25 एक्ट में विधि कार्रवाई की जा रही है

थाना रोजा की पुलिस टीम द्वारा 02 शातिर किस्म के चोर/लुटेरो को किया गिरफ्तार

❖ चोरी /नकबजनी किये हुए 8000 रुपये नगद, एक अदद नाजायज तमंचा 315 बोर व एक जिन्दा कारतुस 315 बोर किया बरामद।

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक शाहजहाँपुर के कुशल निर्देशन , सुधीर जायसवाल, अपर पुलिस अधीक्षक नगर व अमित चौरसिया, क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल प्रयवेक्षण मे अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान एवं अपराध मे संलिप्त अपराधियो की गिरफ्तारी मे थाना रोजा की पुलिस टीम को मिली बड़ी कामयाबी। दिनाँक 22.11.22 को अभियान के क्रम में थाना-रोजा पुलिस द्वारा छापेमारी करते हुयें 02 शातिर किस्म के चोर/लुटेरे अभियुक्तगण 1.अजय राज पुत्र कामता प्रसाद निवासी ग्राम शाहगंज थाना रोजा जनपद शाहजहाँपुर उम्र करीब 21 वर्ष 2.तालिब पुत्र लतीफ निवासी ग्राम हथौडा बुजुर्ग थाना रोजा जनपद शाहजहाँपुर उम्र करीब 22 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । दिनाँक 13-08-2023 की रात्रि मे रोजा अड्डा के पास देशी शराब की दुकान से ताला तोडकर नगदी चोरी कि गयी थी । 1.तालिब पुत्र लतीफ निवासी ग्राम हथौडा बुजुर्ग थाना रोजा जनपद शाहजहाँपुर उम्र 22 वर्ष थाना रोजा टॉप 10 अपराधी है । दोनो के पास से चोरी किये गये 8000 रुपये नगद व तालिब के पास तमन्चा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया । नाजायज तमंचा के संबध मे 745/23 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया । दोनो के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है

गिरफ्तारी करने वाली टीम
1. प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार
2. उ0नि0 नीरज कुमार सिह
3. हे0 का0 98 ओमकार सिह
4. का0 383 इकबाल हैदर
5. का0 1782 सचिन तोमर
6. का0 राजन कुमार
7. का0 2522 सोविन्द्र कुमार

डीएम मोनिका रानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक

संवाददाता

बहराइच। राजस्व कार्यो एवं कर-करेत्तर राजस्व वसूली की मासिक समीक्षा हेतु सोमवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने तहसीलों को निर्देश दिया कि आई.जी.आर.एस. से सम्बन्धित प्रकरणों का गुणवत्तापरक निस्तारण कराया जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि प्रकरणों के निस्तारण में इस बात पर खास तवज्जों दी जाय कि फरियादी की गई कार्यवाही से संतुष्ट हो, जिससे असंतुष्ट प्रकरणों की संख्या में कमी आने से सीएम डैशबोर्ड पर जिले की रैंक प्रभावित न हो। डीएम ने तहसीलों को निर्देश दिया कि जिले में अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश के लिए प्रवर्तन की कार्यवाही की जाय तथा अवैध खनन में संलिप्त लोगों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाय तथा खनन में संलिप्त वाहनों को सीज़ किया जाय। तहसीलों को यह भी निर्देश दिया गया कि खेतों में फसल अवशेष/पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश के लिए क्षेत्रीय लेखपालों को अपने अपने क्षेत्र में विशेष चौकसी रखने हेतु निर्देशित कर दिया जाय। डीएम ने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं पर सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करें तथा कृषकों को पराली न जलाने के लिए प्रेरित भी किया जाय। राजस्व वादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि लम्बे समय से चल रहे वादों को चिन्हित करें तथा अभियान संचालित कर उन्हें निस्तारित किया जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि विभिन्न न्यायालयों पर प्रचलित सीलिंग से सम्बन्धित वादों में प्रभावी पैरवी कर उन्हें निस्तारित कराया जाय। पेंशनर्स से सम्बन्धित समस्याओं तथा विभागीय कार्यवाही की समीक्षा के दौरान निर्देश दिया गया कि समयबद्धता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। डीएम ने सुझाव दिया कि अधिक से अधिक अर्ह युवक-युवतियों को मतदाता सूची में शामिल करने के उद्देश्य से शिक्षण संस्थाओं से छात्र-छात्राओं की सूची प्राप्त कर तद्नुसार कार्यवाही की जाए। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि पुनरीक्षण कार्य के दौरान आयोग द्वारा निर्धारित लिंगानुपात को भी मेनेटेन करने के लिए महिलाओं एवं युवाओं का नाम शामिल करने पर विशेष फोकस किया जाय। कर-करेत्तर राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान डीएम ने कर-करेत्तर से सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि माहवार निर्धारित लक्ष्य तथा गत वर्ष इस माह तक की गई राजस्व वसूली से कम वसूली नहीं होनी चाहिए। समीक्षा में पाया गया विभागों द्वारा प्रवर्तन की कार्यवाही मानक के अनुसार नहीं की जा रही है। इस सम्बन्ध में निर्देश दिये गये कि सभी विभाग मानक के अनुसार प्रवर्तन की कार्यवाही अधिक से अधिक राजस्व वसूली सुनिश्चित करें। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि मण्डल के अन्य जनपदों के सापेक्ष जिले की वसूली कम नहीं होनी चाहिए। तहसीलदारों को निर्देश दिये गये कि नियमित रूप से अमीनवार वसूली की समीक्षा करें। विशेषकर विभिन्न विभागों से प्राप्त हुई आर.सी. का मिलान कर वसूली की जाय। एआरटीओ को निर्देश दिया गया कि जिले में बसों के अवैध संचालन पर प्रभावी अंकुश लगायें। डीएम ने निर्देश दिया कि पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से ई-रिक्शा पंजीकरण का सत्यापन कराया जाय। मण्डी शुल्क की समीक्षा के दौरान अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव को निर्देश दिये गये कि धान खरीद कार्य की अपने स्तर से समीक्षा करते रहें साथ ही बड़े बकायेदारों के विरूद्ध भी राजस्व वसूली के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाय। निकायों को निर्देश दिया गया कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु आकस्मिक छापामारी की कार्यवाही की जाय। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, डीएफओ बहराइच संजय शर्मा, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, उप जिलाधिकारी सदर प्रिंस वर्मा, कैसरगंज के पंकज दीक्षित, महसी के राकेश कुमार मौर्या, पयागपुर के दिनेश कुमार, नानपारा के अजित परेश, मिहींपुरवा के संजय कुमार, डिप्टी कलेक्टर डॉ. पूजा चौधरी, प्रशिक्षु पीसीएस ज्योति चौरसिया सहित कर-करेत्तर से सम्बन्धित अधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

सुल्तान उल औलिया हजरत ख्वाजा सूफी मोहम्मद हसन शाह के 66 वें कुल शरीफ पर उमड़ा जन सैलाब

संवाददाता

रामपुर(मिलक)। तहसील मिलक के ग्राम भैसोड़ी शरीफ मुर्शिद नगर में सूफी सिलसिले की सुप्रसिद्ध दरगाह हजरत ख्वाजा सूफी मोहम्मद हसन शाह के 66 वें उर्से पाक के मौके पर आज कुल शरीफ की फातिहा में उमड़ा जन सैलाब इस बा बरकत मौके पर अकीदतमंदों ने मजार शरीफ पर चादरपोशी और गुलपोशी पेश की और लंगर -ए-तक़सीम का लुत्फ उठाया । आज पूरा दिन मजार शरीफ पर अकीदतमंदों की भीड़ नजर आई जिसमें दूर दराज से आने वाले ज़ायरीन के द्वारा मजार शरीफ पर मन्नतों की चादरें पेश की गई और गुलपोशी पेश की गई। तथा कुल शरीफ के लंगर को तबर्रुक के तौर पर सभी ज़ायरीन ने हासिल किया। दरगाह शरीफ के साहिबे सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा सूफी जावेद हुसैन शाह किबला मददा ज़िल्लाहुल आली ने सभी ज़ायरीन के

हक़ में दुआ फरमाई। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज रात साहिबे सज्जादा एवं दरगाह मुतावल्ली हजरत ख्वाजा सूफी जावेद हुसैन शाह साहेब किबला मददा ज़िल्लाहुल आली की ज़ेरे निगरानी में महफिले मुशायरा और महफिले समा का प्रोग्राम आज रात बाद नमाजे ईशा दरगाह परिसर में आयोजित किया जाएगा। और सुबह फजर की नमाज के बाद मजार शरीफ पर गुलपोशी करने के बाद पूरे मुल्क हिंदुस्तान की हिफाजत के लिए दुआ की जाएगी। बताते चलें कि सूफी सिलसिला आपसी भाईचारा एवं हिंदू मुस्लिम एकता का पैगाम देता है। तथा हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक के रूप में माना वा पहचाना जाता है। ग्राम भैंसोड़ी शरीफ मुर्शिद नगर तहसील मिलक जनपद रामपुर मैं मौजूद इस सुप्रसिद्ध दरगाह पर गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी हुजूर सुल्तान उल ओलिया हजरत ख्वाजा सूफी मोहम्मद हसन शाह रहमतुल्ला अलैह का 66 वां उर्से पाक बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। जिसमें देश ही नहीं विदेश के भी ज़ायरीन उर्से पाक में शिरकत करने के लिए मौजूद हैं। साहिबे सज्जादा एवं मुतावल्ली हजरत ख्वाजा सूफी जावेद हुसैन शाह साहेब किबला मददा ज़िल्लाहुल आली ने बताया कि कल सुबह 10-00 बजे जुलूस संदल शरीफ निकाला जाएगा उसके बाद गुस्ल शरीफ का प्रोग्राम होगा तथा उसके बाद महफिले रंगो समा का प्रोग्राम होगा । तथा बाकी प्रोग्राम भी विधिवत रूप से क्रमवार संपन्न होंगे।

जो भी सरकार किसानों के हित में काम नहीं करेगी उसका विरोध किया जाएगा: राकेश टिकैत

संवाददाता

बिसौली/ बदायूं। भाकियू राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि जो भी सरकार किसानों के हित में काम नहीं करेगी उसका विरोध किया जाएगा। एम एस पी गारंटी कानून, छुट्टा पशु, डीएपी संकट, धान खरीद में व्यापारियों को तरजीह आदि समस्याओं के समाधान के लिए भाकियू आंदोलन करेगी। टिकैत ने कहा कि भाजपा खेलों को भी अपने इवेंट के लिए इस्तेमाल कर रही है। प्राचीन रामलीला मैदान में आयोजित महापंचायत से पूर्व पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि भाजपा सरकार ने एम एस पी गारंटी कानून लागू करने का वायदा किया लेकिन अब उससे पीछे हट रही है। सर्किल रेट और मार्केट रेट में अंतर किसानों की समस्याओं का प्रमुख कारण है। छुट्टा गोवंश को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार ने गौशालाएं तो बनवाई लेकिन उचित धनराशि न मिलने से योजना फ्लाप हो गई है। टिकैत ने कहा कि डीएपी को लेकर सरकार ठोस प्रबंध करे जिससे खाद आसानी से किसानों तक पहुंचाई जा सके। भाजपा पर हमला बोलते हुए भाकियू प्रवक्ता ने कहा कि वे कहते हैं कि किसानों ने हमें वोट नहीं दिया। महापंचायत में किसानों को संबोधित करते हुए श्री टिकैत ने कहा कि जो सरकार किसान विरोधी होगी भाकियू उसका विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि किसान एम एस पी, छुट्टा पशु, डीएपी संकट सहित तमाम समस्याओं से जूझ रहे हैं लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। भाकियू आंदोलन के जरिए किसानों की समस्याओं को उठाती रहेगी। इससे पहले कस्बा मुड़िया धुरेकी पर कार्यकर्ताओं ने श्री टिकैत का जोरदार स्वागत किया। यहां से राकेश टिकैत ट्रैक्टर चलाते हुए रामलीला मैदान पहुंचे। महापंचायत में भाकियू के राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जादौन, प्रदेश महासचिव विजेन्द्र सिंह यादव, युवा मंडल अध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह, सोपाली यादव, बलवंत यादव सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बुखार पीड़ित वृद्ध की मौत, डेंगू के तीन मरीज मिले

रायबरेली। जिला अस्पताल में भर्ती एक बुखार पीड़ित बुजुर्ग की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके साथ बुखार के 13 मरीजों को इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। दूसरी तरफ डेंगू के तीन नए मरीज मिले हैं। शहर में गल्ला मंडी निवासी विनय कुमार (65) कई दिन से बुखार से पीड़ित थे। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने दो दिन पहले उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद भी विनय के स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। मंगलवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जिला अस्पताल की ओपीडी में मंगलवार को भी बुखार पीड़ितों की भीड़ रही। बुखार के 13 मरीजों को इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। बुखार के साथ डेंगू का प्रकोप भी जारी है। जिला अस्पताल की पैथोलॉजी में हुई जांच में सविता, हर्ष और संगीता डेंगू संक्रमित मिली हैं। सीएमएस डॉ. महेंद्र मौर्या ने बताया कि मौसम में बदलाल के चलते बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

एक नज़र

राजस्थान चुनाव ड्यूटी के लिए जिले से 200 होमगार्डो को किया रवाना

जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने हरी झंडी दिखाकर श्री गांधी इंटर कालेज से किया रवाना

संवाददाता

उरई जालौन। गांधी इण्टर कॉलेज उरई में जनपद के होमगार्ड विभाग द्वारा राजस्थान विधान सभा निर्वाचन-2023 ड्यूटी में जनपद जालौन से भेजे जा रहे 200 होमगार्ड्स

के संचरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने चुनाव ड्यूटी पर भेजे जा रहे होमगार्ड्स को ब्रीफ करते हुए हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने उपस्थित जबानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि होमगार्ड्स बल एक बहुत ही क्षमतावान बल है जिसने विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। जिलाधिकारी ने उपस्थित जबानों को अपनी पूर्ण निष्ठा, लगन व ईमानदारी के साथ ड्यूटी का निर्वान्ह करते हुए जनपद का नाम रोशन करने हेतु उत्साहवर्धन किया। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारी सदर अभिषेक कुमार ने होमगार्ड्स जबानों का मनोबल बढाते हुए उन्हें अपना उच्च कोटी का प्रर्दशन प्रस्तुत करने हुए प्रेरित किया, साथ ही निर्वाचन ड्यूटी के दौरान ध्यान रखी जाने वाली विशेष चीजों से जबानों को भिज्ञ कराया गया। जिला कामण्डेन्ट होमगार्ड्स राजेश कुमार सिंह ने अतिथिगढों का स्वागत करते हुए कहा कि जनपद से 200 होमगार्ड्स निर्वाचन ड्यूटी हेतु राजस्थान के जयपुर कमिश्नरेट भेजे जा रहे है जो 26 नवम्बर 2023 तक चुनाव ड्यूटी पर नियोजित रहेगे। उन्होंने कहा कि अभी हाल में सम्पन्न मध्य प्रदेश विधान सभा निर्वाचन-23 ड्यूटी में जनपद जालौन के होमगार्ड्स का उच्च कोटि का प्रर्दशन रहा जिसकी भूरी-भूरी प्रशंशा हुई है। जिला कमाण्डेन्ट द्वारा जबानों के मनोबल बढाने हेतु जिलाधिकारी एवं ज्वाईन्ट मजिस्ट्रेट को धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं जबानों को यह निर्देश दिया कि उच्चाधिकारियों द्वारा जो भी मार्ग दर्शन प्रदान किये गये है उसका अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें एवं अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन द्वारा होमगार्ड्स विभाग की छवि उज्जवल करते हुए जनपद जालौन का नाम रोशन करें। कार्यकम में जनपद के होमगार्ड्स विभाग के कमल सिंह सचान, बृजेश कुमार सिंह, दिनेश सिंह सचान, पवेज अन्सारी, सहित सभी वैतनिक, अवैतनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

कालपी कोतवाल कामता प्रसाद ने संभ्रांतजनों के साथ बैठक की, मांगा जन सहयोग

जनता के सहयोग से विवादों को निबटाने की अनोखी पहल को लोगों ने खूब सराहा

कालपी जालौन ! मंगलवार को नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव,क्षेत्रीय सभासदों, प्रधानों, व्यापारियों जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी तथा नवान्तुक प्रभारी निरीक्षक कामता प्रसाद की अध्यक्षता में शान्ति समिति की मीटिंग आयोजित की गई।इस मौके पर छोटे मोटे विवादों को स्थानीय स्तर पर निपटाने की राजनीति तैयार की गई। कोतवाली कालपी के मीटिंग हॉल में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कामता प्रसाद ने कहा कि जुआ, सट्टा, नाजायज शराब पर पुलिस प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिये अगर कहीं पर भी जुआ, सट्टा, नाजायज शराब का धंधा होता है तो इसकी सूचना हमको गोपनीयता से अवगत करा सकता है। उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जायेगा। तथा सूचना पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि अगर गांव या मुहल्ले में किसी प्रकार का विवाद पैदा होता है। तो क्षेत्रीय नागरिक मिल बैठकर विवाद को आपसी सुलह समझौता करा कर निपटा दें। कोतवाली पुलिस आपसी सुलह समझौता को तरजीह देकर निपटा देगी। कोतवाली के एडीशनल इंस्पेक्टर मुहम्मद अशरफ ने कहा कि जनता पुलिस की आंख कान है। उन्होंने कहा कि जनता का सहयोग लेकर पुलिस प्रशासन अपराध नियंत्रण तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुरी शिद्दत से अपने दायित्वों का निर्वाह करेगी। पीड़ित व्यक्ति की समस्या प्राथमिकता से समाधान करेगी। नगर पालिका परिषद कालपी के अध्यक्ष अरविंद यादव भरोसा देते हुए कहा कि जनता का सहयोग मिलेगा। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में पालिका के मीटिंग हॉल सभासदो के साथ बैठक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कामता तथा पुलिस अधिकारियो के साथ बैठक आहूत की जायेगी। इस मौके पर उपस्थित लोगों में उप निरीक्षकों में सत्यपाल सिंह यादव, वसीम खान धर्मेंद्र कुमार ज्ञान भारती चौकी इंचार्ज- अभिषेक सिंह टरननगंज चौकी इंचार्ज- अभिलाख सिंह महमूदपुर चौकी इंचार्ज- संतोष कुमार शुक्ला, अमर सिंह यादव,शिव बालक यादव,रविन्द्र यादव, सभासद सुनील पटवा, सभासद रियाजुल हक, सभासद प्रतिनिधि शिवा बुंदेला, सभासद प्रतिनिधि विनोद अहिरवार, व्यापार मंडल अध्यक्ष नमन अग्रवाल, रविन्द्र नाथ गुप्ता, डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब कालपी तहसील अध्यक्ष सलीम अंसारी,भारत सिंह यादव, वीरेंद्र यादव, गंगाराम प्रजापत, प्रधान देवकली उमाशंकर निषाद, गुढ़ा प्रधान रामबाबू निषाद, महेवा प्रधान इंद्रपाल सिंह, शिवबालक सिंह यादव, सपा नगर अध्यक्ष अजीत यादव, एजाज खां चिस्ती, अमित कुमार यादव (पत्रकार),रोहिणी शर्मा, योगेश द्विवेदी, दीपक शर्मा, नीलाभ शुक्ला,बब्लू महाराज आदि लोग मौजूद रहें।

आशा वर्कर्स ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

वजीरगंज /बदायूं। उत्तर प्रदेश आशा संगिनी वर्कर्स यूनियन ऑल इंडिया सेंटर काउंसलिंग यूनियन ट्रेड यूनियन ऐक्टू के बैनर तले एक दिवसीय कार्य की हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर किया गया। जिला अध्यक्ष जौली वैश्य ने सरकार को चेतावनी दी अगर सरकार ने हमारी मांगे 28 नवम्बर तक पूरी नहीं करती है तो हम पुनः 29 नवम्बर से 30 तक दो दिवसीय हड़ताल व धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे । इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार एवं जिले के उच्च अधिकारियों की होगी। जिला सचिव मुनीषा आशा ने कहा अगर हमारी मांगे सरकार पूरी नहीं करती है तो आने वाले लोकसभा चुनाव में वोट पे चोट करेंगे । मजदूरी के हिसाब से न्यूनतम वेतन की मांग की । इस मौके पर आशा दर्शन देवी , अर्चना देवी , गुड्डू देवी , रीता देवी , आशा यादव , गीता यादव , मुन्नी , विनय , निर्दोष , नीलम शशि , उषा , राजकुमारी , देवकी सोमश्री , सवाना , गुलशन, खुशबू नीलम , गीता देवी आदि उपस्थित रही ।

एनएसएस वालंटियर्स ने पुलिस वायरलेस कंट्रोल रूम की तकनीकी को जाना

संवाददाता

बदायूँ। एनएसएस पुलिस अनुभवात्मक इंटर्नशिप के अन्तर्गत बदायूं जनपद के मुजारिया, कोतवाली, उझानी, अलापुर, बिनावर आदि विभिन्न पुलिस स्टेशन में छात्र छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मुजरिया थाना प्रभारी श्रीमती रेनू सिंह एवं पुलिस निरीक्षक हरिमोहन सिंह ने डीपी महाविद्यालय सहसवान और जीबी पैंट कॉलेज कछला के एनएसएस वॉलिंटियर्स को पुलिसिंग के तौर तरीकों से परिचित कराया। वॉलेंटियर्स ने पुलिस टीम के साथ थाना सीमा क्षेत्र का भ्रमण कर शान्ति व्यवस्था बनाने में सहयोग प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने थाने में स्थापित वायरलेस रूम, हवालात, कंट्रोल रूम, बैरक वीमेन हेल्प रूम आदि का अवलोकन किया। एफआईआर रजिस्टर देखा। छात्र छात्राओं को ऑनलाइन एफआईआर करने की प्रक्रिया भी सिखाई गई। प्रशिक्षण में वायरलेस वॉकी टॉकी से कंट्रोल रूम को एक दूसरे से जुड़ने की तकनीक भी समझाई गई। प्रशिक्षण में अजय कुमार सिंह, चांद मियां, संगीता, नीतू सागर, प्रीती, वंशी दास गुप्ता, विशाल, संचित सक्सेना, स्नेहा बघेल, हर्षित गौतम आदि ने भाग लिया !

सात शस्त्र लाइसेंस निरस्त, तीन अपराधी जिला बदर

रायबरेली। लाइसेंस शस्त्र का गलत इस्तेमाल करने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू हो गया है। मंगलवार को सात लोगों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिए। इसके अलावा तीन अपराधियों को जिला बदर किया गया है। शराब के अवैध कारोबार में इस्तेमाल किए जाने वाले तीन वाहन भी जब्त कर लिए गएहैं। एसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि भदोखर क्षेत्र के मुंशीगंज निवासी अमरनाथ गुप्ता का रिवॉल्वर, गुरुबख्शगंज क्षेत्र के जगजीवनपुर अमरिया निवासी पृथ्वीराज मिश्रा की सिंगल बैरल बंदूक, ऊंचाहार क्षेत्र के सकरा निवासी शिवनंदन का रिवॉल्वर, दुबरियापुर निवासी फूलचंद्र वर्मा की डबल बैरल बंदूक व रिवॉल्वर, दुबरियापुर निवासी अशोक कुमार वर्मा की रायफल, लालगंज क्षेत्र के धन्नीपुर निवासी फूलचंद्र वर्मा की डबल बैरल बंदूक का लाइसेंस निरस्त किया गया है।

थाना कुठोद पुलिस ने एटीएम कार्ड बदल कर पैसे निकालने वाले अभियुक्त 70 एटीएम कार्ड के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

उरई जालौन। पुलिस अधीक्षक डॉ ईराज राजा जालौन के आदेश के अनुपालन में थाना टीम कुठोद पुलिस ने थाना क्षेत्र मे रोकथाम अपराध चेकिंग सन्दिगध्य व्यक्ति लुटेरे बाहन चोर वांछित अपराधी पतारसी सुरागरसी के दौरान मुखविर की सटीक सूचना पर 02 शातिर अभियुक्त 01--सामोद सिंह पुत्र श्याम सिंह निवासी मढ़ा थाना अछल्दा जनपद औरैया एवं अंश कुमार पुत्र सिपाही लाल निवासी ग्राम टिकरी मुस्तकिल थाना सिरसा कलार जनपद जालौन को ग्राम गोरा राठौर शिव मंदिर के पास से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 02 अदद अवैध तमंचा 315 एवं 03 अदद जिन्दा कारतूस व 70 अदद एटीएम भिन्न-भिन्न जगहो के व 01 अदद स्क्रिप्ट डिजायर कार के साथ गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई थाना अध्यक्ष कुठोद व हमराही फोर्स की सक्रियता के चलते की कामयाबी हासिल।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने जनपद में चलाया ताबड़तोड़ अभियान

संवाददाता

उरई जालौन। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ उ. प्र. द्वारा जारी अधिसूचना 18 नवम्बर 2023 द्वारा हलाल प्रमाणन युक्त खाद्य उत्पादों के निर्माण, भण्डारण, वितरण एवं विक्रय पर (निर्यातक के लिये निर्यात हेतु उत्पादित खाद्य पदार्थ को छोड़कर) तत्काल प्रभाव से प्रतिबन्ध लगाया गया है जिसके क्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय के निर्देशानुसार प्रमाणन युक्त खाद्य उत्पादों के निर्माण, भण्डारण, वितरण एवं विकय पर प्रतिबन्ध होने के उपरान्त सहायक आयुक्त (खाद्य) डा. जतिन कुमार सिंह के नेतृत्व में खाद्य सचल दल के साथ जनपद जालौन के बाजारों का निरीक्षण किया गया।जिसके तहत विशाल मेगा मॉट स्थान मौनी मंदिर के पास राठ रोड़ उरई,वी-मार्ट मॉल स्थान राजमार्ग उरई, रिलाइंस शॉपिंग मॉल स्थान राजमार्ग उरई, रिलाइंस स्मार्ट प्वांइट स्थान कालपी रोड़ उरई, हिन्दुस्तान यूनीलीवर फैक्ट्री स्थान फैक्ट्री एरिया उरई, संतोष कुमार सब्जी मण्डी जालौन,मोहम्मद मुकराम स्थान बस स्टैण्ड जालौन,दिनेश चन्द्र राठौर ज्वालागंज जालौन, जितेन्द्र त्रिपाठी पुत्र कमलेश स्थान टरनंन गंज कालपी,अंकित गुप्ता पुत्र हरिहर गुप्ता आटा,आशीष कुमार पुत्र धर्म टरनंन गंज कालपी में टीम के द्वारा जनपद के स्थानीय बाजारों के निरन्तर निरीक्षण किये जा रहे है व यह अभी आगे भी जारी रहेंगें। निरीक्षण दौरान प्रतिष्ठानों पर हलाल प्रमाण युक्त खाद्य पदार्थ ब्रिकी हेतु मौके पर नही पाये गये। खाद्य कारोबारकर्ताओं से अपील है कि हलाल प्रमाणन युक्त खाद्य पदार्थो की ब्रिकी न करें। टीम में सहायक आयुक्त (खाद्य)एवं अभिहित अधिकारी डॉ. जतिन कुमार सिंह, औषधि निरीक्षक डॉ. देवयानी दुबे, खाद्य सुरक्षा अधिकारी आलोक कुमार, कन्हैया लाल यादव, अनिल कुमार शंखवार मौजूद रहें।

कालपी में मां मनसा देवी मंदिर में राष्ट्रीय युवा हिंदू वाहिनी कालपी की बैठक संपन्न

❖ महंत सतीश गिरि की आतिथ्य व नगर अध्यक्ष प्रहलाद ठाकुर रहें मौजूद।

संवाददाता

कालपी / जालौन। नगर के हैदरीपुरा स्थित मां मनसा देवी मन्दिर में राष्ट्रीय युवा हिन्दू वाहिनी कालपी की एक बैठक महन्त सतीश गिरि की मौजूदगी व नगर अध्यक्ष प्रहलाद ठाकुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गयी। नगर अध्यक्ष प्रहलाद ठाकुर ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि बल्लू सोनकर वरिष्ठ उपाध्यक्ष व कामता यादव,शिवम प्रजापति,आकाश,आलोक कुमार सभी उपाध्यक्ष तथा विकास सिंह व अंकित पाटुकार महामंत्री व सुनील कुमार विश्वकर्मा कोषाध्यक्ष व सुवांशु कुमार व नीलेश राठौर सचिव तथा शिवम सिंह ठाकुर व सत्यम कोष्ठा व हरी ओमसिह संगठन मंत्री तथा शुभम प्रजापति मीडिया प्रभारी व गोलू निषाद सह मीडिया प्रभारी बनाये गये। इसके अलावा गौतम गुप्ता व रोहित सिंह ठाकुर विशेष आमंत्रित सदस्य बनाये गये। पहलाद ठाकुर ने सभी पदाधिकारियों से कहाकि अपने पद की गरिमा बनाये रखें तथा संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करें। उक्त अवसर पर लल्लू सिंह,अंकित,बन्टू सिंह,मुकेश,संजय,अभिषेक सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उमर अंसारी की डिस्चार्ज अर्जी खारिज

लखनऊ। हजरतगंज थाना क्षेत्र के जियामऊ स्थित शत्रु संपत्ति पर कब्जा करके उसे धोखाधड़ी से अपने, भाई व पिता के नाम फर्जी रजिस्ट्री कराने के आरोपी माफिया मुख्तार अंसारी के पुत्र उमर अंसारी को आरोपों से मुक्त (डिस्चार्ज) करने की मांग वाली अर्जी खारिज हो गई है। एमपीएमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम अम्बरीश श्रीवास्तव ने उमर अंसारी पर आरोप तय करने के लिए दो दिसंबर की तारीख तय की है। उमर अंसारी को आरोपों से मुक्त करने की मांग वाली डिस्चार्ज अर्जी देकर कोर्ट को बताया गया था कि उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है। कोर्ट ने आरोपी की अर्जी खारिज करते हुए कहा उसे एफआईआर में नामजद किया गया है, साथ ही आरोप है कि उसने शारदा नहर खंड दो के अधिशासी अभियंता के कार्यालय का कूटरचित अनुमति पत्र तैयार कराया और भवन के लिए मानचित्र स्वीकृत कराया।

40 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की जीवन लीला समाप्त

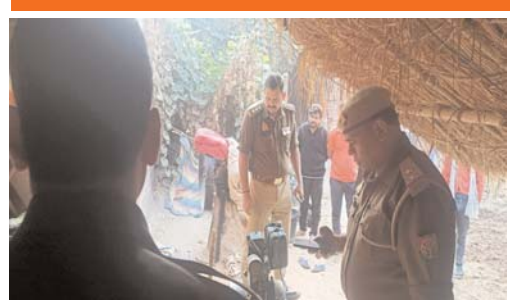

संवाददाता

माधौगढ़ - जालौन। आपको बता दें कि आज दिनांक 21.11.23 को ग्राम कुटरा थाना माधौगढ़ में कुंदन पाल पुत्र गेंदालाल पाल उम्र करीब 40 वर्षीय युवक ने अपने बाड़े में रात्रि अज्ञात समय में दीवाल के हुक में रस्सी से फंदा लगा जीवन लीला समाप्त कर ली जब मृतक युवक के परिजनों ने सव को फंदे से लटका देखा तो युवक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है गया हालांकि किसी ग्रामीण द्वारा पुलिस को मामले की सूचना दी गई सूचना मिलने पर तुरंत प्रभारी निरीक्षक अखिलेश द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे शव का पंचायतनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम हेतु उरई भिजवाया गया है हालांकि मृतक युवक का शरीर को देखने से पता चलता है कि मृतक युवक के शरीर में कोई चोट का निशान नही है हालांकि आत्महत्या का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है लेकिन माधौगढ़ पुलिस द्वारा मामले की जांच पड़ताल जांच की जा रही है जांच पड़ताल पूरी होने के बाद जल्द ही माधौगढ़ प्रभारी निरीक्षक अखिलेश द्विवेदी मामले का खुलासा करेंगे

तीन दौर की काउंसलिंग

आठ आयुर्वेदिक कॉलेजों में खाली रह गई बीएएमएस की 99 सीटें

एजेंसी

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। तीन दौर की काउंसलिंग हो चुकी है जिसके बाद आयुष विवि के कैंपस कॉलेज और राजकीय महाविद्यालय समेत 13 कॉलेजों में कुल 1012 सीटें हैं। इनमें से आठ कॉलेज में 99 खाली रह गई है, जिसके लिए भौतिक उपस्थिति आधार पर विद्यार्थियों को दाखिला मिलेगा।

प्रदेश के आयुर्वेदिक कॉलेजों में तीन दौर की ऑनलाइन काउंसलिंग के बावजूद भी बीएएमएस की 99 सीटें खाली रह गई। अब इन्हें भरने के लिए श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय द्वारा 24 दिसंबर को भौतिक उपस्थिति काउंसलिंग तय की है। इसके आधार पर ही अब इन सीटों पर दाखिला किया जाएगा। देश व प्रदेश के विद्यार्थियों को 24 दिसंबर सुबह नौ बजे तक उपस्थिति दर्ज करानी होगी। मेरिट सूची दोपहर तक प्रदर्शित कर दी जाएगी। शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता एवं ड्राफ्ट एंड काउंसलिंग कमेटी के संयोजक डॉ. शंभू दयाल ने बताया कि इस वर्ष बीएएमएस में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों का औसत पहले से कई गुणा बढ़ा है। तीन दौर की काउंसलिंग हो चुकी है जिसके बाद आयुष विवि के कैंपस कॉलेज और राजकीय महाविद्यालय समेत 13 कॉलेजों में कुल 1012 सीटें हैं। इनमें से आठ कॉलेज में 99 खाली रह गई है, जिसके लिए भौतिक उपस्थिति आधार पर विद्यार्थियों को दाखिला मिलेगा। उन्होंने बताया कि दोपहर डेढ़ बजे से साढ़े तीन बजे तक दाखिला कमेटी द्वारा दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा व फीस जमा होगी। अगर इसके बाद भी सीटें खाली रह जाती हैं तो उसके लिए 28 दिसंबर को दूसरा उपस्थिति राउंड रखा जाएगा। प्रो. डॉ शंभू दयाल ने बताया कि तीन दौर की काउंसलिंग के बाद सिरसा के आयु ज्योति आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल की 29 सीटें रिक्त रह गई है, इसके साथ ही गुरुग्राम के फैकल्टी ऑफ इंडियन मेडिसिन सिस्टम एसजीटी विश्वविद्यालय की दो, जींद के गंगापुत्र आयुर्वेदिक कॉलेज में दो, जगाधरी के चौधरी देवीलाल आयुर्वेदिक कॉलेज एक, हिसार के नेशनल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एवं अस्पताल में तीन, बिलासपुर के लाल बहादुर शास्त्री महिला आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल एक और रोहतक के गौड़ ब्राह्मण आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल की सात सीटें खाली हैं। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा महम के सत्य मेडिकल कॉलेज को सत्र 2023-24 के लिए मान्यता प्रदान की गई है। जिसकी 60 सीटों की काउंसलिंग भी आयुष विवि के द्वारा ही कराई जाएगी।

दादरी में पति का परिचित बन महिला से ठगे 12 हजार

आरोपी ने भेजे रुपये डालने के फर्जी मैसेज

एजेंसी

दादरी (हरियाणा)। पुलिस को दी शिकायत में हड़ोदा कलां निवासी मनजीत कुमार ने बताया कि 9 नवंबर को उसके मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले शख्स ने बताया कि वो मनजीत के पति का परिचित है। इसके बाद उक्त शख्स ने मनजीत कुमारी के मोबाइल पर एक रुपये और 35-35 हजार रुपये खाते में डालने के दो मैसेजे भेजे।

चरखी दादरी में साइबर ठग ने पति का परिचित बनकर हड़ोदा कलां निवासी एक महिला से 12 हजार की ठगी कर डाली। महिला का आरोप है कि पहले आरोपी ने उसके खाते में रुपये डालने के तीन फर्जी मैसेज भेजे और इसके बाद दो ट्रांजेक्शन के जरिये उससे अपने खाते में 12 हजार रपये डलवा लिए। महिला की शिकायत पर दादरी साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में हड़ोदा कलां निवासी मनजीत कुमार ने बताया कि 9 नवंबर को उसके मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले शख्स ने बताया कि वो मनजीत के पति का परिचित है। इसके बाद उक्त शख्स ने मनजीत कुमारी के मोबाइल पर एक रुपये और 35-35 हजार रुपये खाते में डालने के दो मैसेजे भेजे। इसके बाद आरोपी ने कहा कि 12 हजार रुपये गलती से ज्यादा डाल दिए है। इस पर मनजीत कुमार ने दो और 10 हजार की दो ट्रांजेक्शन के जरिये 12 हजार रुपये उक्त शख्स के खाते में डाल दिए। इसके बाद जब मनजीत ने अपना खाता संभाला तो उसके खाते में 70001 रुपये जमा नहीं मिले। मनजीत ने बताया कि उसने उक्त नंबर पर कॉल कर उसके रुपये लौटाने की बात कही तो उक्त शख्स ने मना कर दिया। कुछ दिन इंतजार करने के बाद मनजीत कुमारी ने इसकी शिकायत साइबर थाना पुलिस को दी जिसके आधार पर पुलिस ने अब केस दर्ज कर लिया है।

एक नज़र

बोर्ड कक्षाओं का नतीजा सौ फीसदी लाने के लिए चलेगी गिव यॉर बेस्ट मुहिम, लगेगी अतिरिक्त कक्षाएं

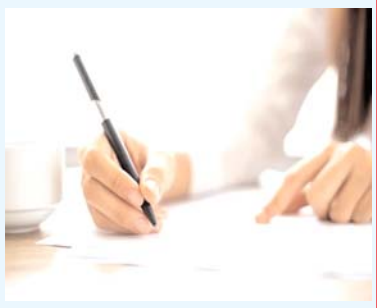

चंडीगढ़। विद्यार्थियों को सितंबर टेस्ट में आए अंकों के हिसाब से तीन ग्रुपों में बांटना होगा। इनमें 40 फीसदी से कम अंक वाले विद्यार्थियों का एक ग्रुप रहेगा। दूसरा 40 से 80 फीसदी अंक वालों का रहेगा और तीसरा ग्रुप 80 फीसदी से अधिक वालों का रहेगा। पंजाब के सरकारी स्कूलों में बोर्ड कक्षाओं 8वीं, 10वीं और 12वीं में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के नतीजों को सौ फीसदी बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने नई मुहिम 'गिव यॉर बेस्ट' चलाई है। इसमें सुबह स्कूल लगने से पहले और शाम को छुट्टी के बाद विद्यार्थियों के लिए फ्री में अतिरिक्त कक्षाएं लगाई जाएंगी। इस मुहिम के तहत 12वीं के विद्यार्थियों को नीट, जेईई और क्लैट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी करवाई जाएगी। शिक्षा विभाग की तरफ से इस बारे में सभी जिलों को पत्र लिखा गया है। साथ ही पहल के आधार पर इस दिशा में कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं। विद्यार्थियों को सितंबर टेस्ट में आए अंकों के हिसाब से तीन ग्रुपों में बांटना होगा। इनमें 40 फीसदी से कम अंक वाले विद्यार्थियों का एक ग्रुप रहेगा। दूसरा 40 से 80 फीसदी अंक वालों का रहेगा और तीसरा ग्रुप 80 फीसदी से अधिक वालों का रहेगा। साथ ही विद्यार्थियों की कमियों को दूर किया जाएगा। शिक्षकों को विद्यार्थियों को अतिरिक्त कोचिंग देने के लिए प्रेरित किया जाएगा। स्कूल प्रिंसिपलों की ओर से इस बारे में सारा रिकॉर्ड जुटाया जाएगा। उक्त शिक्षकों की हौसला अफजाई की जाएगी। उम्मीद है कि इससे स्कूलों का रिजल्ट सुधरेगा। गत समय में यह चीज देखने को मिलती रही कि कई जिलों में विद्यार्थियों का सालाना रिजल्ट काफी खराब रहता है।

पूर्व मंत्री से 50 लाख की डिमांड, महिला ने अश्लील तस्वीर भेजी, मांगी फिरौती

पटना। महिला ने वृषिण पटेल के व्हाट्सऐप पर एडिट की गई अश्लील तस्वीरें भेजी। इसके बाद 50 लाख रुपये का डिमांड किया। इसके बाद पूर्व मंत्री ने आर्थिक अपराध इकाई में प्राथमिकी दर्ज करवाई है।

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री वृषिण पटेल से 50 लाख रुपये की डिमांड की गई है। यह रुपये ब्लैकमेलर ने मांगी है। धमकी दी है कि अगर रुपये नहीं दोगे तो अश्लील फोटो को सार्वजनिक कर दिया जाएगा। इससे तुम्हारा राजनीतिक भविष्य बर्बाद हो जाएगा। दरअसल, एक महिला ने वृषिण पटेल के व्हाट्सऐप पर एडिट की गई अश्लील तस्वीरें भेजी। इसके बाद 50 लाख रुपये का डिमांड किया। इधर, पूर्व मंत्री ने आर्थिक अपराध इकाई में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। ईओयू को दी लिखित शिकायत में पूर्व मंत्री वृषिण पटेल ने कहा है कि करीब दो महीने पहले एक महिला कदमकुआं थाना क्षेत्र स्थित मेरे आवास पर मिलने आई थी। मेरे स्टाफ से महिला ने कहा कि मुझे मंत्रीजी से मिलना है। स्टाफ ने कहा अभी मंत्री जी व्यस्त हैं, वह नहीं मिल सकते हैं। महिला नहीं मानी जिद करने लगी। इसके बाद स्टाफ ने महिला को मुझसे मिलवा दिया। महिला ने कहा कि मैं विधायक बनना चाहती हूं। इस पर मैंने कहा कि विधायक बनना इतना आसान नहीं है। अगर राजनीति में दिलचस्पी है तो पार्टी से जुड़ जाएं। इसके लिए आपको पार्टी कार्यालय आकर सदस्यता ग्रहण करनी होगी। इसके बाद महिला चली गई।

दोनों लड़कियां मेरे सामने ही अपने कपड़े उतारने लगीं

कुछ दिन बाद मैं कार से हज भवन से एयरपोर्ट वाली सड़क होते बेली रोड की ओर जा रहा था। एक जगह रुका तो अचानक आरोपी महिला वहां पहुंच गई। कहा कि पास ही मेरा घर है। चाय पीने के लिए चलें। मैंने पहले काफी मना किया फिर उसने जिद की मैं उसके घर चला गया। मैंने महिला से पूछा कि पति कहां हैं? उसने कहा काम से बाहर गए हैं। घर में उस वक्त दो लड़कियां भी थीं। पूछने पर महिला ने बताया कि दो बहनें हैं। इसके बाद महिला चाय बनाने किचेन गई। इसी बीच वहां मौजूद दोनों लड़कियां मेरे सामने ही अपने कपड़े उतारने लगीं। मैंने दोनों को डांट फटकार लगाई इसके बाद वहां से निकल गया।

दो अलग-अलग नंबर से मेरे मोबाइल पर कॉल आया

अब इस घटना के दो माह बाद 26 अक्टूबर और 31 अक्टूबर को दो अलग-अलग नंबर से मेरे मोबाइल पर कॉल आया। कहा गया कि आपके पास दो लड़कियां गई थीं जिनके साथ आपने अश्लील हरकतें की थीं। इसके बाद फिर मेरे मोबाइल पर दो नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने मेरे वाट्सएप पर अश्लील तस्वीर भेजी। यह तस्वीर पूरी तरह से फर्जी थी। इसके बाद इसी तस्वीर के आधार पर 50 लाख रुपये की डिमांड की गई। ब्लैकमेलर ने कहा कि 50 लाख नहीं देने पर राजनीतिक कैरियर को बर्बाद कर दिया जाएगा।

आज पावन दिन का नौवां दिन है, भगवान श्री राधा जी दर्शन दे रही हैं

संवाददाता

भुबनेश्वर। आज पवित्र आंवला निव्वी ढ्व मां राधारानी ओढ़नाई के रूप में भक्तों को दर्शन दे रही हैं। लाखों भक्तों को दर्शन दे रही है। राधापाद के दर्शन के लिए साल में एक बार भक्तों की भीड़ जुटती है। वहीं, भगवान शक्तिगोपाल के मनोहारी स्वरूप को देखने के लिए श्रद्धालु और श्रद्धालु उत्साहित हैं।हालाँकि, 2019 से, जब से राधापद स्पर्श को अस्वीकार किया गया है, भक्त केवल दर्शन के साथ बांस के पेड़ पर मानसिक रस्सी बाँध रहे हैं। ना शाक्षी गोपाल के मंदिर में भक्तों को साल में केवल एक बार ही इस दर्शन का सौभाग्य मिलता है, इसलिए आज लाखों भक्तों अयि है, इसलिए प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

दो मंजिला भवन के मालिक बढ़ा सकेंगे एटिक की ऊंचाई

टीसीपी ने फाइल सरकार को भेजी

पीबीसी न्यूज

शिमला। अगर प्लॉट पर नया मकान बनाया जाना है तो ऐसे लोगों को भी एटिक की ऊंचाई बढ़ाने की सरकार अनुमति देगी। लेकिन जिन लोगों ने तीन व इससे ज्यादा मंजिल के भवनों का निर्माण किया है, वह अभी एटिक नहीं बढ़ा सकेंगे। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग क्षेत्र और नगर निगम की परिधि में भवन की छत (एटिक) बढ़ाने का फायदा फिलहाल उन्हीं लोगों को मिलेगा, जिनके मकान दोमंजिला बने हैं। अगर प्लॉट पर नया मकान बनाया जाना है तो ऐसे लोगों को भी एटिक की ऊंचाई बढ़ाने की सरकार अनुमति देगी। लेकिन जिन लोगों ने तीन व इससे ज्यादा मंजिल के भवनों का निर्माण किया है, वह अभी एटिक नहीं बढ़ा सकेंगे। इसके स्पष्टीकरण के लिए टीसीपी ने फाइल सरकार को भेजी है। दरअसल पहले एटिक की ऊंचाई 2.75 मीटर थी। इसे रिहायशी बनाने की अनुमति भी नहीं थी। अब प्रदेश सरकार ने मकानों की छत की ऊंचाई बीच से 3.05 मीटर तक बढ़ाने की अनुमति दी है। भवन की एटिक को रिहायशी बनाने के लिए सरकार ने हिमाचल नगर एवं ग्राम योजना नियम 2014 को मंजूरी दी है। प्राकृतिक आपदा के चलते पहले प्रदेश सरकार ने सारी प्रक्रिया रोक दी थी। अब सरकार ने इसे फिर से शुरू करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। नियमों के तहत जिन लोगों के दो मंजिला मकान बन गए हैं, अगर वह छत की ऊंचाई बढ़ाना चाहते हैं तो उन्हें संशोधित नक्शा टीसीपी कार्यालय और एमसी कार्यालय में जमा कराना होगा। उसके बाद ही उन्हें इसका लाभ मिल सकेगा। अब सरकार ने एटिक में बिजली और पानी के कनेक्शन देने का फैसला भी लिया है। इसके अलावा पहले लोग एटिक को बेच भी नहीं सकते थे। अब जरूरतमंदों को बेचने का भी अधिकार दिया गया है। गौरतलब है कि लोग लगातार मुख्यमंत्री कार्यालय में एटिक को रिहायशी बनाने की मांग कर रहे थे। विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने लोगों को इस बारे में आश्वस्त किया था।

मंडी से मनाली तक वाहनों को मिलेगी सीएनजी, रुकेगा प्रदूषण

एजेंसी

मंडी। दिल्ली-चंडीगढ़ से पर्यटन नगरी मनाली आने वाले पर्यटक सीएनजी वाहनों चालकों और मालिकों को अब सीएनजी रिफिल करने की चिंता नहीं रहेगी। इन वाहनों के लिए स्थानीय स्तर पर सीएनजी उपलब्ध रहेगी। चंडीगढ़ से लेकर मनाली तक जगह-जगह सीएनजी स्टेशन खोले जा रहे हैं। ऐसे में सीएनजी का इस्तेमाल कर ही वाहन गंतव्य तक पहुंच पाएंगे। इससे प्रदूषण भी नहीं फैलेगा। मनाली के रांगड़ी में सीएनजी स्टेशन शुरू हो गया है। मंडी और कुल्लू जिले की सीमा पर झीड़ी में जनवरी 2024 से एक सीएनजी स्टेशन चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। इस तरह वाहनों को लगातार फोरलेन में सीएनजी का विकल्प उपलब्ध रहेगा। दिल्ली और चंडीगढ़ से वाहनों को सीएनजी फुल करवा रहे वाहन यहां भी इसी को भरवा पाएंगे। रांगड़ी और झीड़ी के अलावा अन्य जगहों में भी सीएनजी स्टेशन स्थापित करने के लिए भारत सरकार की ओर से अधिकृत नेचुरल गैस वितरण कंपनी गैसोनेट साइट की तलाश कर रही है। ऐसे में फोरलेन हिस्से में जगह-जगह आने वाले दिनों में पेट्रोल पंप के साथ सीएनजी स्टेशन भी देखने को मिलेंगे। इससे हिमाचल में भी सीएनजी आधारित वाहनों का इस्तेमाल बढ़ सकता है। बता दें कि दिल्ली-चंडीगढ़ के अधिकतर वाहन सीएनजी किट से लैस रहते हैं, पूर्व में हिमाचल में सीएनजी न मिलने पर इन्हें पेट्रोल ईंधन इस्तेमाल करना पड़ता था, लेकिन अब सीएनजी की उपलब्धता होने पर इसकी खपत होगी। वर्तमान में हिमाचल में सीएनजी वाहन की संख्या शून्य के बराबर है। यहां अधिकतर एलएमवी पेट्रोल और डीजल ईंधन आधारित ही इस्तेमाल किया जा रहे हैं। हालांकि इलेक्ट्रिक वाहनों की तरफ भी रुझान बढ़ रहा है।

मनाली में बना भारत का सबसे ऊंचे स्थल का सीएनजी स्टेशन

मनाली के रांगड़ी में बना सीएनजी स्टेशन समुद्र तल से ऊंचाई के मामले में भारत का सबसे ऊंचा स्टेशन है। यह खिताब फिलहाल मनाली के नाम आ गया है। यहां सीएनजी स्टेशन ने सीएनजी भरने का काम भी शुरू हो गया है। शुरुआती दौर में बाहरी राज्यों से आ रहे वाहन यहां सीएनजी भरवा रहे हैं। मनाली के रांगड़ी में सीएनजी स्टेशन शुरू कर दिया गया है। झीड़ी में भी सीएनजी स्टेशन खोलने की प्रक्रिया चल रही है। इको फ्रेंडली सीएनजी से पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुंचेगा।

-अलख तिवारी, प्रोजेक्ट लीड सहायक प्रबंधक

एक ट्रैक पर आईं तीन ट्रेनें छूटीं बड़ा हादसा होने से रोक गियाँ

संवाददाता

भुबनेश्वर। इंडियन रेलवे का समय ठीक नहीं हो इसीलिए बार बार हादसा हो रहा है। और एक ट्रैक पर तीन ट्रेनें आ गई. थोड़ा बड़ा हादसा हो गया. करीब 100 मीटर की दूरी पर दो ट्रेनें आपस में मिली हैं. ऐसी ही एक घटना राउरकेला से सामने आई है. हालांकि, ऐसा लग रहा है कि ऑटोमैटिक सिग्नल की वजह से ऐसा हुआ है. इससे न तो दुर्घटना का खतरा रहता है और न ही कोई घबराहट होती है। झारसुगुड़ा हटिया मेमू, झारसुगुड़ा राउरकेला मेमू और बंदे भारत ट्रेनें एक ही ट्रैक पर थीं। राउरकेला स्टेशन प्रबंधक ने बताया कि ऑटोमेटिक सिग्नल के कारण ऐसा हो रहा है। राउरकेला मेमू से टकराने से पहले झारसुगुड़ा ट्रेन को रोक दिया गया था। दोनों ट्रेनों के बीच की दूरी महज 100 मीटर थी. यह तीसरी ट्रेन के रूप में भारत वापस आ रही थी। लेकिन रेलवे विभाग ने बड़े हादसे से पहले ही इसे रोक लिया है। लेकिन सवाल यह उठता है कि एक ही समय में तीन ट्रेनें एक ही ट्रैक पर कैसे आ गईं?

किसान ने पराली को लगाई आग

अधिकारी पहुंचे तो डर के मारे फंदा लगाकर दे दी जान

एजेंसी

बठिंडा (पंजाब)। किसान गुरदीप सिंह (35) के पास करीब छह कनाल जमीन थी। सोमवार शाम को जब वह पराली जला रहा था तो मौके पर अधिकारी पहुंचे। वह कार्रवाई के डर से घर आया और पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पंजाब के बठिंडा जिले के गांव कोठागुरु के किसान गुरदीप सिंह ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली है। भारतीय किसान यूनियन एकता उग्राहां का कहना है कि पराली को आग लगाने की कार्रवाई से डरकर किसान ने जान दी है। किसान नेताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। प्रशासन ने पीड़ित परिवार को दो लाख रुपये आर्थिक सहायता और मृतक की पत्नी को पेंशन समेत अन्य सुविधा देने का आश्वासन दिया है। किसान गुरदीप सिंह (35) के पास करीब छह कनाल जमीन थी। सोमवार शाम को जब वह पराली जला रहा था तो मौके पर अधिकारी पहुंचे। वह कार्रवाई के डर से घर आया और पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

पराली जलाने के 513 मामले आए सामने

पंजाब में मंगलवार को पराली जलाने के 513 नए मामले रिपोर्ट सामने आए हैं। आंकड़ों के मुताबिक साल 2021 में आज के ही दिन पराली जलाने के 168 और 2022 में 243 मामले सामने आए थे। इस सीजन में पराली जलाने के कुल मामलों की संख्या अब 35606 तक पहुंच गई है। आज सबसे अधिक पराली फाजिल्का में जली। यहां 105 मामले सामने आए हैं। उधर, पंजाब के प्रमुख शहरों में अमृतसर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 174, बठिंडा का 400, जालंधर का 245, खन्ना का 199, मंडी गोबिंदगढ़ का 260 और पटियाला का 189 दर्ज किया गया।

हड़ताल करने डॉक्टर पर बिहार सरकार का एक्शन नो वर्क नो पे पॉलिसी लागू

एजेंसी

पटना। बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ ने आह्वान पर 21 नवंबर को हड़ताल किया था। इससे ओपीडी सेवा बाधित हो गई थी। इस कारण सैकड़ों मरीजों को वापस लौटना पड़ा था। बिहार सरकार ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है। स्वास्थ्य विभाग अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कड़ा एक्शन लेते हुए सभी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और अस्पतालों के सिविल सर्जन को लेटर भेजा है। इसमें कहा गया है कि हड़ताल करने वाले डॉक्टरों के लिए नो वर्क-नो पे पॉलिसी लागू कर दी गई है। जिस दिन वह हड़ताल पर रहेंगे, उस दिन उन्हें सैलरी नहीं मिलेगी। मंत्री तेजस्वी यादव के स्वास्थ्य विभाग की ओर से कहा गया है कि बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ ने एक दिन के लिए कार्य बहिष्कार की घोषणा की थी। ऐसा निर्णय लेने से पहले संघ ने सरकार को समुचित रूप से इसे संज्ञान में नहीं लाया है। इसलिए यह निर्णय पूरी तरह से अवैध है। इसलिए 21 नवंबर को कार्य बहिष्कार करने वाले डॉक्टर (बिहार सरकार के अंतर्गत कार्यरत) का वेतन अवरुद्ध किया जाता है।

जान जोखिम में डालकर डॉक्टर काम नहीं कर सकते हैं

इधर, बिहार सरकार ने इस लेटर का बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ ने विरोध किया है। संघ के अपर महासचिव डॉ. हसरत अब्बास ने कहा कि जान जोखिम में डालकर डॉक्टर काम नहीं कर सकते हैं। पूर्णिया में डॉक्टर पर जानलेवा हमला हुआ। उनकी हालत गंभीर है। इस घटना के बाद से डॉक्टर खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे है। ऐसे में बिहार सरकार ने एक दिन का वेतन काटने का निर्णय लिया है, यह गलत है। बता दें कि 21 नवंबर को डॉक्टर पर हुए जानलेवा हमले के विरोध का पूरे बिहार के डॉक्टरों ने विरोध किया था। सभी सरकार अस्पताल में ओपीडी सेवा बाधित हो गई थी।

टी20 विश्व कप में रोहित शर्मा के खेलने पर संशय, टेस्ट पर लगाएंगे ध्यान

एजेंसी

नई दिल्ली। रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अधिकांश मैचों में कप्तानी की है। विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान हार्दिक को चोट लगी थी और वह लंबे समय के लिए बाहर हो चुके हैं। ऐसी भी खबरें सामने आई हैं कि वह अगले आईपीएल से वापसी करेंगे।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने विश्व कप में हार के बाद बड़ा फैसला लिया है। वह क्रिकेट के छोटे फॉर्मेट टी20 से दूरी बनाएंगे। हिटमैन इस बारे में मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से बात कर चुके हैं। ऐसे में उनका अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में खेलना मुश्किल है। उन्होंने वनडे विश्व कप से ठीक पहले अगरकर के साथ बैठकर टी20 से दूरी बनाने के बारे में बात की थी। रोहित ने पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में मिली हार के बाद से इस फॉर्मेट में एक भी मैच नहीं खेला है।

रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अधिकांश मैचों में कप्तानी की है। विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान हार्दिक को चोट लगी थी और वह लंबे समय के लिए बाहर हो चुके हैं। ऐसी भी खबरें सामने आई हैं कि वह अगले आईपीएल से वापसी करेंगे। उसके ठीक बाद टी20 विश्व कप का आयोजन होना है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 नवंबर से टी20 सीरीज की शुरुआत हो रही है। इसमें सूर्यकुमार यादव कप्तानी करेंगे। विश्व कप टीम में शामिल अधिकांश खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। ऐसे में जब केएल राहुल वापसी करेंगे तो वह टी20 फॉर्मेट में कमान संभाल सकते हैं।

स्वेच्छा से टी20 फॉर्मेट से दूर रहने की बात कही

36 साल के रोहित शर्मा ने टी20 में 148 मैच खेले हैं। इस दौरान 139.2 की स्ट्राइक रेट 3853 रन बनाए हैं। उन्होंने टी20 में चार शतक भी लगाए हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई से बीसीसीआई के सूत्र ने कहा, %%यह कोई नई बात नहीं है। रोहित ने पिछले एक साल में कोई टी20 मैच नहीं खेला है क्योंकि उनका ध्यान वनडे विश्व कप पर था। इस संबंध में उन्होंने चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर के साथ व्यापक चर्चा की थी। उन्होंने स्वेच्छा से टी20 फॉर्मेट से दूर रहने की बात कही है। यह पूरी तरह से रोहित का फैसला है।

वापसी भी कर सकते हैं हिटमैन

रोहित शर्मा के अलावा भारत के पास टी20 में ओपनिंग के लिए शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़ का विकल्प है। इन चारों खिलाड़ियों ने आईपीएल में पिछले कुछ सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है। अगर ये युवा खिलाड़ी आगामी टी20 मैचों में खुद को साबित नहीं कर पाते हैं तो रोहित शर्मा वापसी के बारे में सोच सकते हैं। उनसे बीसीसीआई के अधिकारी वापसी के लिए कह सकते हैं।

टेस्ट क्रिकेट पर रोहित का ध्यान

रोहित 36 साल के हो चुके हैं और उनके लिए हर साल भारत के लिए तीन प्रारूप और आईपीएल में खेलना असंभव होगा। दिसंबर 2023 से मार्च 2024 के बीच खेले जाने वाले सात टेस्ट पर उनका ध्यान ज्यादा है। उनके पास अभी भी 2025 में भारत को एक और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में ले जाने का मौका है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम पिछली बार टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार गई थी। रोहित की नजर अगली बार इसे जीतने पर है।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में रोटेट होंगे बुमराह और शमी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद शमी तेज गेंदबाजी आक्रमण संभालेंगे। हालांकि, अगले साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच सप्ताह में पांच टेस्ट होने के कारण सीरीज के दौरान इन खिलाड़ियों को रोटेट किया जा सकता है। पीठ के निचले हिस्से में तनाव के कारण प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से लंबे समय तक ब्रेक लेने के बाद बुमराह की टेस्ट क्रिकेट खेलने की क्षमता पर सवालिया निशान हैं, लेकिन मामले की जानकारी रखने वालों ने कहा कि गुजरात का यह खिलाड़ी वापसी के लिए तैयार है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो वह टी20 विश्व कप में भी खेलेंगे।

भारत ने जीते चार स्वर्ण, राकेश की स्वर्णिम हैट्रिक

शीतल ने दो स्वर्ण सहित जीते तीन पदक

एजेंसी

बैंकॉक। भारत को चार स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक मिला। वहीं दक्षिण कोरिया तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य जीतकर दूसरे स्थान पर रहा। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज राकेश कुमार ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई जिसके दम पर भारत ने एशियाई पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में बुधवार को नौ पदक जीतकर दक्षिण कोरिया जैसे दिग्गज पर बढ़त बनाई। वहीं, बिना भुजाओं वालीं 17 साल की महिला तीरंदाज शीतल देवी ने महिला कंपाउंड ओपन टीम में ज्योति के साथ मिलकर कोरिया की जिन यंग जियोंग और ना मि चोइ को 148-137 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

शीतल ने मिश्रित टीम में वर्ग में राकेश के साथ इंडोनेशिया के टी आडी आयुडिया फेरेली और केन एस को 154-149 से हराकर मिश्रित टीम वर्ग में भी स्वर्ण हासिल किया। शीतल को एक रजत भी मिला जब वह फाइनल में सिंगापुर की नूर सियाहिदाह से शूट ऑफ में हार गई। दोनों 142-142 से बराबरी पर थी। शूट ऑफ में भी टाई रहा लेकिन चूंकि नूर के तीर सेंटर के ज्यादा नजदीक थे, इसलिए उन्हें विजेता घोषित किया गया।

भारत ने नौ पदकों के साथ दक्षिण कोरिया को पछाड़ा

भारत को चार स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक मिला। वहीं दक्षिण कोरिया तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य जीतकर दूसरे स्थान पर रहा। हांगझोऊ पैरा एशियाई खेलों में रजत जीतने वाले 38 साल के राकेश ने अपने दो अन्य स्वर्ण पुरुषों के कंपाउंड वर्ग में इंडोनेशिया के केन एस को 145-144 से हराया। वहीं टीम स्पर्धा में सूरज सिंह के साथ ताइवान के पुंग हुंग वू और चिह चियांग चांग को 147-144 से हराया। महिला रिकर्व टीम फाइनल में भारत टाईब्रेकर में 4-5 से हारकर रजत पदक का हकदार बना। पुरुष रिकर्व युगल टीम फाइनल में हरविंदर और विवेक चिकारा को दक्षिण कोरिया से 2-6 से हार मिली। आदिल और नवीन की जोड़ी को पुरुष रिकर्व डब्ल्यू वन युगल में दक्षिण कोरिया से 122-137 से पराजय मिली। सरिता ने महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य जीता।

कतर से हार के बाद फूटा टीम इंडिया के कोच स्टिमैक का गुस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टिमैक ने कहा कि वह दोहा में आगामी एशियाई कप को एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट नहीं मानेंगे क्योंकि टीम उचित राष्ट्रीय शिविर के बिना इस टूर्नामेंट में उतरेगी। स्टिमैन की यह टिप्पणी अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को परेशान कर सकती है।

भारतीय फुटबॉल टीम को फीफा विश्व कप 2026 के क्वालिफायर के दूसरे राउंड में कतर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। सोमवार (21 नवंबर) को भुवनेश्वर में टीम इंडिया 0-3 से हार गई। भारत को अब एशियन कप में उतरना है। वहां उसका पहला मुकाबला मजबूत ऑस्ट्रेलिया की टीम से होना है। एशियन कप की तैयारी के बारे में जब कोच इगोर स्टिमैक से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम जो मांग रहे हैं वह नहीं मिल रहा है। ऐसे में हमसे नतीजों के बारे में बात पूछिए। स्टिमैक ने कहा कि वह दोहा में आगामी एशियाई कप को एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट नहीं मानेंगे क्योंकि टीम उचित राष्ट्रीय शिविर के बिना इस टूर्नामेंट में उतरेगी। स्टिमैन की यह टिप्पणी अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को परेशान कर सकती है। स्टिमैक 12 जनवरी से शुरू होने वाले एशियन कप से पहले कम से कम से चार सप्ताह का राष्ट्रीय शिविर चाहते थे, लेकिन इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का पहला चरण 29 दिसंबर तक चलने के कारण ऐसा होना मुश्किल है। क्लब अपने खिलाड़ियों को लंबे प्रशिक्षण के लिए टीम से बाहर नहीं जाने देना चाहते हैं। भारत का सामना 13 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया से होगा। टीम इंडिया के ग्रुप में उज्बेकिस्तान और सीरिया भी है।

भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए गर्व के साथ जाऊंगा

स्टिमैक ने स्पष्ट रूप से कहा, ÷हमें वह नहीं मिला जो हम चाहते थे। मैं बहुत स्पष्ट था, आप मुझे समय दें और मैं आपके लिए परिणाम दे सकता हूं। समय के बिना परिणाम या उसके जैसी किसी भी चीज के बारे में न पूछें। बस इसे भूल जाएं। मैं अपने खिलाड़ियों के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए गर्व के साथ दोहा जाऊंगा। हम सब कुछ करने जा रहे हैं लेकिन हमारे पास काम करने के लिए समय नहीं है, तैयारी के लिए 12-13 दिन कुछ भी नहीं हैं। स्टिमैक ने कहा कि ज्यादातर देश एशियाई कप के लिए लंबे शिविरों के साथ अच्छी तरह से तैयार होकर आएंगे। उन्होंने कहा, ÷हम उज्बेकिस्तान का सामना करने जा रहे हैं जो छह सप्ताह तक तैयारी करेगा। मैं ऑस्ट्रेलिया को ऐसी टीम नहीं मानता जिसे हम हरा सकते हैं, वे कतर से बेहतर हैं। वे हमारी लीग से बाहर हैं, लेकिन हम कोशिश करने जा रहे हैं।÷

फीफा विश्व कप 2026 का क्वालिफायर ज्यादा महत्वपूर्ण

राष्ट्रीय टीम को एशियाई कप की तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल रहा है। ऐसे में स्टिमैक ने कहा कि एशियन कप अब उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण टूर्नामेंट नहीं है। उन्होंने कहा, ÷हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज विश्व कप क्वालिफायर है। यह जानते हुए कि हमें एशियाई कप के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलेगा और मैं एशियाई कप को हमारे लिए इतना महत्वपूर्ण टूर्नामेंट नहीं मानता। मैं वहां अपने खिलाड़ियों को घायल नहीं करना चाहता। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि हम विश्व कप क्वालिफायर में अपने ग्रुप में ज्यादा से ज्यादा अंक प्राप्त करें। इससे हमें तीसरे दौर में पांच-छह घरेलू मैच मिलेंगे और यभारतीय फुटबॉल के लिए बहुत बड़ी बात होगी।

राशि के हिसाब से करें मेकअप, पर्सनैलिटी में लगेंगे चार-चांद

खूबसूरत दिखने के लिए लड़कियों में मेकअप का ट्रैंड काफी बढ़ चुका है। आजकल लड़कियां मेकअप के बिना घर से बाहर भी नहीं निकलती। कुछ लड़कियां ट्रैंड व पर्सनैलिटी के हिसाब से मेकअप करती हैं जबकि कुछ लड़कियां राशि में विश्वास रखती है और उसी के हिसाब से मेकअप भी करती है। अगर आप भी राशि में विश्वास रखती है तो आज हम आपको बताएंगे कि कैसा मेकअप आपकी पर्सनैलिटी में चार चांद लगा सकता है।

मेष राशि: मेष राशि की लड़कियों को अपने कॉन्फिडेंस और फेस शेप के अनुसार बोल्ड मेकअप करना चाहिए, जिसके लिए आप नारंगी या लाल रंग चुन सकती हैं। यह आपकी ताकत, जुनून और ऊर्जा को भी दर्शाता है। इसी तरह नाखून वार्निश के साथ, अमीर प्लम और सिजलिंग रेड्स के शेड मेष राशि की लड़कियों को बहुत सूट करते हैं। इसके अलावा पेस्टल शेड्स, शाइनी और नैचुरल लिपस्टिक आपके आत्मविश्वास और शांति को दर्शाता है।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के लोग मजेदार, भावनात्मक और खुद से प्यार करने वाले होते हैं। अपने मेकअप का चयन करते समय इन्हें न्यूट्रल (Neutral Colors) रंग चुनने चाहिए। वृषभ राशि के लोगों को खराब दिखना पसंद नहीं इसलिए आप ब्राइट कलर से मेकअप ना करें क्योंकि यह आपकी पर्सनैलिटी पर सूट नहीं करेगा। नैचुरल लुक के लिए आपको स्मोकी कलर, ग्रे व सफेद रंग का इस्तेमाल करना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि की लड़कियों को अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से आड़ू, हल्के गुलाबी रंग का मेकअप करना चाहिए। साथ ही मैट टेक्सचर और कॉन्ट्रास्टिंग कॉम्बिनेशन मेकअप भी आपको खूब सूट करेगा। आप लिपस्टिक के लिए भी इन्हीं कलर का चुनाव कर सकती हैं।

कर्क राशि: कर्क राशि की लड़कियां सॉफ्ट स्वभाव की होती है ऐसे में आपको नैचुरल कलर के साथ मेकअप करना चाहिए। आप मेकअप के लिए हल्के गुलाबी, सफेद और मौन टोन कलर चुन सकती हैं। इससे आपकी पर्सनैलिटी ज्यादा अच्छी तरह उभर कर आती है। होंठो पर गुलाबी रंग की लिपिस्टिक वह नाखूनों पर गोल्डन और सिल्वर रंग बेहद आकर्षक लगता है।

सिंह राशि: सिंह राशि की लड़कियों की बात करें तो यह दिखने में बेहद आकर्षक और प्रभावी व्यक्तित्व की होती हैं। ऐसे में इनके लिए लाल, नारंगी और गोल्डन रंग बिल्कुल परफेक्ट रहेगा। अगर आप बालों में भी रेड कलर करवाएगी तो और भी आकर्षक दिखेगीं। साथ ही आप पर कलर्ड आइलाइनर भी खूब सूट करेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि को मेकअप के लिए ब्राइट और गिल्टरी कलर यूज करने चाहिए, जो आपकी पर्सनैलिटी को उभारने में मदद करेंगे। लिप्स पर पिंक लिपस्टिक या लिप ग्लॉस लगाएं।

तुला राशि: तुला राशि की महिलाए रोमांटिंक स्वभाव की होती है तो आपके लिए ब्राइट रंग एकदम सही है। लिपिस्टिक हो या आइशैडो, ब्राइट रंग आपके मेकअप लुक को और भी आकर्षक दिखाता है।

वृश्चिक राशि: रहस्यमयी स्वभाव की वृश्चिक राशि की लड़कियां अपने चार्म से हर किसी को दीवाना बना देती हैं। ऐसे में अपने चार्म को बनाए रखने के लिए आप स्मोकी मेकअप करें। लिपस्टिक के लिए भी बोल्ड कलर्स का चुनाव करें। साथ ही डार्क कलर आईलाइनर, आईशैडो और मस्कारा चूज करें।

धनु राशि: स्वभाव से चंचल धनु राशि की लड़कियों पर पर्पल कलर खूब फबता है। अगर आप पर्पल आइशैडो आंखों पर भी यूज करेगी तो आपका मेकअप लुक ज्यादा क्लासी दिखेगा। आप लिपस्टिक के लिए भी हल्के पर्पल कलर की लिपस्टिक चुन सकती हैं। मेकअप के साथ-साथ आपको हेयरस्टाइल का भी ध्यान रखना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि की लड़कियों को अन्य राशि की लड़कियों से ज्यादा आकर्षक माना जाता है। ऐसे में आपको ट्रैंड और अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में रखते हुए मेकअप करना चाहिए। आप डार्क आईलाइनर, मस्कारा और आईशैडो लगाएं।

कुंभ राशि: कुंभ राशि की लड़कियां कोमल और फेमिनिन होती है, जो हर चीज को सलीकें से कैरी करना पसंद करती है। इन्हें ज्यादा ओवर मेकअप इन्हे बिल्कुल भी पसंद नही। ऐसे में आपको अपनी ड्रैसिंग के हिसाब से हल्का मेकअप करना चाहिए। मेकअप के लिए गोल्डन शेड्स का यूज जरूर करें।

मीन राशि: खुशमिजाज स्वभाव की मीन राशि की लड़कियां खुद को अच्छा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। मेकअप के लिए आप हैब्राइट रंगों का चुनाव करें। आपको अपनी आंखों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए क्योंकि आपकी असली खूबसूरती यहीं होती है। लाइनर से आंखों को शेप दें और आईशैडो, काजल व मस्कारा लगाएं।

बीवी को रखेंगे खुश तो तभी मजबूत होगा रिश्ता

क्या आपने कभी नोटिस किया है कि जब एक पत्नी, मां या दादी खुश होती है तो तो उनके आस-पास हर कोई अच्छा महसूस करता है। ऐसे में आप भी अच्छे पति की तरह अपनी पत्नी को खुश रखने की हर संभव कोशिश करते हैं तो यकीन मानिए, इसका सबसे बड़ा फायदा आपको ही होगा। हाल ही में हुए रिसर्च में भी यह साबित हुआ है कि खुश पत्नी ही खुशहाल वैवाहिक जीवन का आधार होती है।

पत्नी के खुश रहने से तनावमुक्त होगी मैरिड लाइफ: शोध की मानें तो जो पुरुष अपनी पत्नी को खुश रखते हैं उनका वैवाहिक जीवन सफल और तनावमुक्त होता है। इतना ही नहीं, इससे उन्हें सेहत से जुड़ी समस्याएं कम होती हैं। इस अध्ययन में 400 कपल्स से उनके संबंध व सेहत से संबंधित कई सवाल पूछे गए, जिनकी शादी का अनुभव औसतन 39 साल का था। इसी के आधार यह निष्कर्ष भी निकाला गया है।

अगर पत्नी खुश तो पति भी रहेगा हैप्पी: असल में, जब जब महिलाएं अपने पति और वैवाहिक जीवन से खुश होती है तो वह पुरुष के लिए वो सब करती है, जिससे उन्हें खुशी मिले जबकि पुरुषों में ऐसा कम होता है। इतना ही नहीं, अगर पत्नी खुश हो तो वह पति के साथ पूरे परिवार की देखभाल भी अच्छी तरह करती हैं।

लंबी उम्र के लिए भी है फायदेमंद: शोधकर्ताओं का कहना है कि जिन कपल्स में महिलाएं अपने साथी से अधिक संतुष्ट होती हैं उनकी उम्र भी लंबी होती है।

दरअसल, बीमारियों का सबसे बड़ा कारण है तनाव और डिप्रेशन, जो कप्लस में अक्सर लड़ाई-झगड़ों की वजह से होता है। ऐसे में अगर दोनों खुश रहेगें तो वह तनाव के साथ शारीरिक बीमारियों से भी बचे रहेंगे, जिससे खुद व खुद उम्र लंबी हो जाएगी। **पहले भी हुए हैं शोध:** इससे पहले भी महिला साथी की खुशी और पुरुषों के स्वास्थ्य पर कुछ शोध हो चुके हैं, जिसमें साबित हो चुका है कि कपल्स का वैवाहिक जीवन ज्यादा खुशनुमा इसलिए होता था क्योंकि वह एक-दूसरे से संतुष्ट होते हैं। वहीं, एक असफल वैवाहिक पुरुष के जीवन में संतुष्टि इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी पत्नी इस रिश्तों को किस नजर से देखती है। अगर वह विवाह को तवज्जो देती है तो पुरुष के जीवन का संतुष्टि स्तर बढ़ जाता है लेकिन अगर वह विवाह को ज्यादा तवज्जो नहीं देती तो उसके जीवन की चमक फीकी पड़ जाती है।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लेक्स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।